केंद्र सरकार ने गुरुवार को मराठी, पाली, प्राकृत, असमिया और बंगाली भाषाओं को शास्त्रीय भाषा (क्लासिकल लैंग्वेज) का दर्जा दिया है। पांच भाषाओं को शास्त्रीय भाषा का दर्जा मिलने के बाद पीएम मोदी ने सभी को बधाई दी है।

जनहितैषी

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 64278/96 वर्ष:29 अंक:151 दिनांक:04-10-2024 शुक्रवार मूल्य : 1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 वडोदरा M

इजराइल और हिजबुल्लाह के बीच बढ़ते तनाव और संघर्ष के कारण लेबनान की स्थिति तेजी से बिगड़ रही है। इस बीच, अमेरिका , चीन, फ्रांस, ब्रिटेन समेत कई देश अपने नागरिकों को तुरंत देश छोड़ने की सलाह दे रहे हैं।

जंग की आहट से सहमा बाजार , सेंसेक्स में 1,769 अंकों की रिकार्ड गिरावट

मुम्बई (ईएमएस)। घरेलू शेयर बाजार गुरुवार को भारी गिरावट पर बंद हुआ। मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव के कारण दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों से बाजार में ये गिरावट आई है। आज कारोबार के दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक के शेयर नीचे आये। लगातार विदेशी कोषों की निकासी और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों से भी निवेशकों ने बाजार से दूसरी बनायी है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1769.19 अंक करीब 2.10 फीसदी नीचे आकर 82,497.10 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 546.80 अंक तकरीबन 2.12 फीसदी नीचे आकर 25,250.10 के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स के 29 शेयर गिरे हैं। इनमें लार्सन एंड टुब्रो, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एक्सिस बैंक, एशियन पेंट्स, टाटा मोटर्स, बजाज फाइनेंस, मारुति, बजाज फिनसर्व, कोटक महिंद्रा बैंक, टाइटन, अदाणी पोर्ट्स और एचडीएफसी बैंक के शेयर शामिल रहे। केवल एक शेयर जेएसडब्ल्यू स्टील है ही ऊपर आया।

बाजार जानकारों के अनुसार ईरान और इजराइल के बीच युद्ध की आशंका के कारण दुनिया भर के बाजारों में घबराहट का माहौल है। इसी का प्रभाव भारतीय बाजार पर भी पड़ा है। वहीं अमेरिका में मंदी की आशंका बढ़ गई है, जिसके कारण पिछले कारोबारी दिन अमेरिकी बाजार में गिरावट रही। इसका असर दुनियाभर के बाजारों में दिख रहा है।

वहीं एशियाई बाजार में जापान के निक्केई में 2.24 फीसदी की तेजी रही है जबकि हांगकांग के इंडेक्स में 2.43 फीसदी और कोरिया के कोस्पी इंडेक्स में 1.22 फीसदी की गिरावट है। अमेरिका का डाओ जोंस 0.09 फीसदी ऊपर आकर 42,196 पर और नैस्डैक 0.08 फीसदी उछलकर 17,925 पर बंद हुआ। एसएंडपीए 500 भी 0.01 फीसदी बढ़कर 5,709 पर बंद हुआ। विदेशी निवेशकों ने 5,579 करोड़ रुपए के शेयर बेचे। ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी, एएसएक्स 200 भी 0.25 फीसद ऊपर कारोबार करता दिखा। वहीं मंगलवार को बाजार हल्की गिरावट से बंद हुआ था।

इससे पहले आज सुबह बड़ी गिरावट देखने को मिली। सेबी के नए नियमों और मिडिल ईस्ट में जारी संघर्ष का सीधा असर निवेशकों पर पड़ा है, जिससे भारी बिकवाली का माहौल बना। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स 1,264 अंक गिरकर 83,002.09 पर खुला। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 266 अंक की गिरावट के साथ 25,530 पर खुला। शुरुआती कारोबार में निफ्टी के 50 में से 44 शेयर लाल निशान पर, जबकि सिर्फ 6 शेयर हरे निशान में थे। इसी तरह सेंसेक्स के 30 शेयरों में से केवल 3 शेयर हरे निशान पर और 27 शेयर लाल निशान पर कारोबार कर रहे थे।

बिहार में आज फिर बारिश की संभावना....12 जिलों में अलर्ट

पटना (ईएमएस)। बिहार में मौसम विभाग ने 4 अक्टूबर को पूर्वी बिहार में 12 जिलों बारिश होने की संभावना जाहिर की है।

वहीं कोसी नदी के जलस्तर में बीते दिनों हुई? भारी वृद्धि और पश्चिमी कोसी बांध टूटने? के बाद कोसी क्षेत्र की लाइफ लाइन? सहरसा-मानसी रेलखंड पर पानी का दबाव ?बढ़ सकता है। रेलवे की ओर से 15 ?अक्टूबर तक पहले से अलर्ट जारी रखा ?गया है। अधिकारियों की अलग-अलग टीम?रेल ट्रैक का लगातार निरीक्षण कर रही है।?

इधर, बुधवार को बिहार के उत्तर और पूर्वी क्षेत्रों में नदियों के जलस्तर में कमी आई। हालांकि, बाढ़ प्रभावित इलाकों में अब भी बड़ी संख्या में लोग बच्चों व मवेशियों के साथ तटबंधों और सड़कों के किनारे शरण लिए हुए हैं। उन्हें भोजन, पानी, दूध व दवाइयों की कमी से जूझना पड़ रहा है। आपदा प्रबंधन विभाग के मुताबिक राज्य के 17 जिलों की 14.62 लाख आबादी बाढ़ के पानी से घिरी हुई है। पटना मौसम विभाग के मुताबिक नवरात्रि में अधिकतर हिस्सों में सामान्य अथवा सामान्य से अधिक बारिश होने का पूर्वानुमान है। जिसकी संभावना 30 से 40 प्रतिशत है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार 8 से 10 अक्टूबर तक मानसून की विदाई हो जाती है। लेकिन, इस साल 15 अक्टूबर तक बारिश होने की संभावना है। इस दौरान बिहार के अधिकतर हिस्सों में अधिकतम और न्यूनतम तापमान भी सामान्य से अधिक रहने की की संभावना है।

हरियाणा में थमा चुनाव प्रचार...राज्य की 90 सीटों पर कल होगा मतदान

हरियाणा(ईएमएस)। हरियाणा में गुरूवार को चुनाव प्रचार थम गया। यहां की 90 सीटों पर 5 अक्टूबर को एक साथ वोट डाले जाएंगे। भाजपा और कांग्रेस ने दिल्ली से सटे इस राज्य में अपनी पूरी ताकत झोंक रखी है। मुख्य मुकाबला इन्हीं दोनों दलों में है। बीते 10-12 दिन में भाजपा यहां रिकवरी मोड में नजर आई और उसने कई चीजों को ठीक किया। दूसरी ओर कांग्रेस ने अपने पक्ष में दिख रहे माहौल को बनाए रखने के लिए दिन-रात एक कर रखा है। प्रदेश में तकरीबन डेढ़ दर्जन सीटें ऐसी हैं, जहां भाजपा-कांग्रेस के बीच मुकाबला बेहद कड़ा है। यहां आखिरी समय में पलड़ा किसी भी तरफ झुक सकता है। इन सीटों पर जीत-हार का मार्जिन भी कम रहने का अनुमान है। कई सीटों का रिजल्ट इस बात पर भी डिपेंड करेगा कि वहां थर्ड प्लेयर के रूप में इनेलो-बसपा, आपऔर जेजेपी-एएसपी के अलावा निर्दलीय कितने वोट ले पाते हैं।

हरियाणा की 90 सीटों में से कांग्रेस 40 से 50 और भाजपा 22 से 32 सीटों पर मजबूत दिख रही है। भाजपा की सीटों का आंकड़ा बहुत हद तक इस बात पर भी डिपेंड रहेगा कि साइलेंट वोटर आखिरी समय में किस तरफ जाता है और जाट-दलित वोट बंटते हैं या नहीं। साध्वी यौन शोषण केस में सजा काट रहा डेरा सच्चा सौदा प्रमुख राम रहीम पोलिंग से ठीक पहले पैरोल पर बाहर आ चुका है। कांग्रेस इसके खिलाफ चुनाव आयोग गई, लेकिन उसकी आपत्तियां दरकिनार कर दी गईं। राज्य की दो दर्जन से ज्यादा सीटों पर डेरे का प्रभाव है और वह आधा दर्जन से ज्यादा सीटों पर रिजल्ट प्रभावित कर सकता है। इसका फायदा भाजपा को मिलने का अनुमान है। अन्य दलों की बात करें तो इनेलो-बसपा गठबंधन 1 से 5 और निर्दलीय 4 से 9 सीटों पर आगे रह सकते हैं। दर्जनभर सीटों पर वह मुख्य टक्कर में हैं। आम आदमी पार्टी का वोट शेयर तो इस बार बढने की उम्मीद है, लेकिन वह एकाध सीट पर ही मुख्य मुकाबले में है। दुष्यंत चौटाला की जननायक जनता पार्टी और सांसद चंद्रशेखर आजाद की आजाद समाज पार्टी कहीं फाइट में नजर नहीं आती।

विधानसभा चुनाव में भाजपा और कांग्रेस के लिए बागी और भितरघात से निपटना बड़ी चुनौती है।भाजपा ने सत्ता विरोधी लहर के बीच अपने प्रबंधन और ताबड़तोड़ प्रचार के दम पर बगावत और भितरघात से निपटने की कोशिश में लगी है। पीएम नरेंद्र मोदी ने 28 सितंबर को हिसार में रैली की थी। 21 सीट वाली जाट बाहुल्य बागड़ बेल्ट में हुई इस रैली और मोदी-शाह के आक्रामक रवैये से बदलाव दिखना शुरू हुआ। उम्मीदवारों के साथ-साथ वर्करों का मनोबल भी बढ़ा। कांग्रेस सीटों के लिहाज से वह सबसे बड़ी पार्टी तो बनती दिख रही है। मेवात की 3 सीटों पर वह सेफ दिख रही है। बांगर (9 सीट) और जाटलैंड कहलाने वाली देशवाल (14 सीट) बेल्ट में भी पार्टी को एडवांटेज तो नजर आता है, लेकिन उसके कई कैंडिडेट नजदीकी मुकाबले में फंसे हैं। कांग्रेस को सबसे बड़ी उम्मीद जीटी रोड (23 सीट), अहीरवाल (11 सीट) और साउथ हरियाणा (9 सीट) से है। यह तीनों इलाके भाजपा का गढ़ कहे जा सकते हैं।

चुनौतियों की बात करें तो भगवा पार्टी के लिए भितरघात और बागी मुश्किल पेश कर सकते हैं। भाजपा हाईकमान ने अहीरवाल बेल्ट में केंद्रीय राज्यमंत्री राव इंद्रजीत को फ्री हैंड दिया और सबसे ज्यादा चुनौतियां इसी इलाके में नजर आती हैं। 2014 में पार्टी ने यहां की सभी 11 और 2019 में 11 में से 8 सीटें जीती थी। यहां भाजपा के कई बड़े चेहरे या तो चुप बैठे हैं या फिर पार्टी उम्मीदवार की जगह विरोधी की मदद में लगे हैं। इसी भीतरघात के चलते अहीरवाल बेल्ट में भाजपा के कई दिग्गज चेहरे भी अपनी जीत को लेकर आश्वस्त नजर नहीं आ रहे। भाजपा के लिए बागी भी मुसीबत बने हुए हैं। पार्टी नेतृत्व के तमाम प्रयासों, मिन्नतों और घुड़कियों के बावजूद 15 सीटों पर उसके तकरीबन डेढ़ दर्जन बागी मैदान से नहीं हटे। यही कारण है कि अमित शाह से लेकर राव इंद्रजीत तक को सभाओं में ये बात कहनी पड़ रही है कि लोग भाजपा के कैंडिडेट को देखकर नहीं, बल्कि कमल का निशान देखकर वोट दें।

कुछ हफ्ते पहले तक सब कुछ कांग्रेस के फेवर में नजर आ रहा था, लेकिन बीते 10-12 दिन उसके लिए अच्छे नहीं कहे जा सकते। पार्टी उम्मीदवारों से लेकर रणनीति बनाने वाले भी ऑफ द रिकॉर्ड बातचीत में इससे इनकार नहीं कर रहे। सत्ता कभी कोई तश्तरी में सजाकर नहीं देता, ये बात कांग्रेस के जो कैंडिडेट भूल गए थे, वह अब दिक्कत में नजर आ रहे हैं। आखिरी समय तक मैदान नहीं छोड़ने और कमजोर पोजिशन को भांपकर एक्स्ट्रा ताकत झोंक देने वाली भाजपा के सामने ओवरकॉन्फिडेंस का शिकार हो जाना कहीं न कहीं भारी पड़ता दिख रहा है। रोहतक शहर की सीट हुड्?डा कैंप के लिए नाक का सवाल बन गई है। सोनीपत, गन्नौर, राई, बादली और बहादुरगढ़ का गढ़ बचाने के लिए उसे अतिरिक्त ताकत लगाते हुए राहुल गांधी का रोड शो कराना पड़ गया। कांग्रेस को अपने नेताओं की गुटबाजी से भी नुकसान हो रहा है। एक दर्जन के आसपास सीटों पर कैंडिडेट्स हुड्डा कैंप और सैलजा धड़े की अंदरूनी खींचतान के शिकार हैं।

इनेलो-बसपा, आप, जजपा-एएसपी और निर्दलीय कितने असरदार

भाजपा और कांग्रेस के अलावा हरियाणा चुनाव में आम आदमी पार्टी के साथ-साथ इनेलो-बसपा और जजपा-एएसपी गठबंधन भी मैदान में है। भाजपा विरोधी वोट इनमें जितने बंटेंगे, उतना ही कांग्रेस को नुकसान और भाजपा को फायदा होगा। सिरसा की 3 और हिसार-यमुनानगर-जींद की एक-एक सीट पर इनेलो-बसपा के उम्मीदवार मुख्य मुकाबले में नजर आ रहे हैं। जजपा-एएसपी गठजोड़ ज्यादा प्रभावी नजर नहीं आ रहा। आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार भी एकाध सीट पर ही टक्कर में हैं। हरियाणा के चुनावी इतिहास में निर्दलीय अच्छी-खासी तादाद में जीतते रहे हैं। इस बार भी महम सीट पर बलराज कुंडू, हिसार में सावित्री जिंदल, अंबाला कैंट में चित्रा सरवारा, बहादुरगढ़ में राजेश जून, रानियां में रणजीत चौटाला, गन्नौर से देवेंद्र कादियान, पुंडरी में सतबीर भाणा, उचाना में वीरेंद्र घोघडिया, गुरुग्राम में नवीन गोयल, पानीपत सिटी में रोहिता रेवड़ी और पानीपत ग्रामीण में विजय जैन नतीजे को प्रभावित करने या बदलने की स्थिति में नजर आ रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट का फैसला......जेल में काम के बंटवारे में जाति के आधार पर भेदभाव नहीं हो

नई दिल्ली (ईएमएस)। सुप्रीम कोर्ट ने भारतीय जेलों में जातिगत भेदभाव को समाप्त करने के लिए एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। शीर्ष अदालत ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि जेल में काम के बंटवारे में जाति के आधार पर भेदभाव नहीं होना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट की बेंच, जिसमें चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा शामिल थे, ने गुरुवार को मामले में सुनवाई करते हुए कहा कि किसी विशेष जाति के कैदियों से सीवर टैंक साफ कराना न केवल गलत है, बल्कि इस बात को किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किया जा सकता। सुप्रीम कोर्ट ने मुद्दे पर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। मामले की शुरुआत एक जनहित याचिका से हुई, इसमें पत्रकार ने दिसंबर 2023 में सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। उन्होंने अपनी याचिका में कहा कि देश के करीब 17 राज्यों की जेलों में जाति के आधार पर भेदभाव होता है। इस पर पहली सुनवाई जनवरी 2024 में हुई, सुनवाई के बाद अदालत ने राज्यों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि जेल मैनुअल में जातिगत भेदभाव को बढ़ावा देने वाले नियमों को तीन माह के भीतर संशोधित करना चाहिए। इस निर्देश के बाद, यह अपेक्षा की जा रही है कि राज्य सरकारें अपनी जेलों में सुधार करने के लिए जरुरी कदम उठाएंगी और जातिगत भेदभाव को समाप्त करने के लिए ठोस उपाय करेंगी।

सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले ने समाज में जातिगत भेदभाव के खिलाफ एक मजबूत संदेश दिया है और यह सुनिश्चित कर दिया हैं कि जेलों में कैदियों के साथ समानता और मानवाधिकारों का पालन होना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला जातिगत भेदभाव को समाप्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है, जो समाज में समानता और न्याय के सिद्धांतों को बढ़ावा देता है।

पराली जलाना नहीं रुका.........पंजाब और हरियाणा सरकारों को फटकार

नई दिल्ली (ईएमएस)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को पंजाब और हरियाणा सरकारों को पराली जलाने वाले किसानों से केवल नाममात्र का मुआवजा वसूलने पर कड़ी फटकार लगा दी। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि पराली जलाने के कारण दिल्ली की वायु गुणवत्ता गंभीर रूप से प्रभावित हो रही है, जिससे दिल्ली में प्रदूषण का स्तर बढ़ रहा है। इसके साथ ही, वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग को भी सुप्रीम कोर्ट की आलोचना का सामना करना पड़ा।

न्यायमूर्ति अभय एस ओका और ऑगस्टिन जॉर्ज मसीह की पीठ ने कहा कि आयोग ने पराली जलाने की घटनाओं को रोकने में आवश्यक निर्देशों को लागू करने का कोई प्रयास नहीं किया है। सुप्रीम कोर्ट ने बताया कि 29 अगस्त को हुई बैठक में सिर्फ 11 में से 5 सदस्य ही उपस्थित थे इतना ही नहीं बैठक में अदालत के निर्देशों पर चर्चा नहीं की गई।

कोर्ट ने कहा, जब तक लोग यह नहीं समझते कि उन्हें वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग अधिनियम के तहत गंभीर दंड का सामना करना पड़ेगा, तब तक पराली जलाना नहीं रुकेगी। यह आयोग की जिम्मेदारी है कि वहां प्रदूषण फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करे।

कोर्ट ने आयोग की स्थिति रिपोर्ट की समीक्षा कर कहा, आयोग केवल बैठकें आयोजित करने में व्यस्त है और अपने आदेशों को लागू करने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठा रहा है। न्यायाधीशों ने स्पष्ट किया कि आयोग को अधिनियम के तहत आपराधिक मामले दर्ज करने, जुर्माना लगाने और प्रदूषण फैलाने वाली इकाइयों को बंद करने का अधिकार है।

सुप्रीम कोर्ट ने आंकड़ों का हवाला देकर कहा कि 15 से 30 सितंबर के बीच पंजाब और हरियाणा में 129 अवैध पराली जलाने की घटनाएं हुईं। कोर्ट ने कहा कि केवल जुर्माना वसूलना पर्याप्त नहीं है, क्योंकि अब आवश्यकता है कि इन्हें कानून के तहत जवाबदेह ठहराया जाए। पंजाब सरकार ने बताया कि वहां किसानों को वैकल्पिक प्रोत्साहन प्रदान करने के बाद ही दंडात्मक कार्रवाई करेगी। राज्य के एडवोकेट जनरल ने कहा कि राज्य में 1.4 लाख से अधिक पराली हटाने वाली मशीनें उपलब्ध हैं, लेकिन छोटे किसानों को मशीनों के संचालन के लिए ड्राइवर और ईंधन की आवश्यकता है। इस मामले की अगली सुनवाई 16 अक्टूबर को होगी।

हाथरस सत्संग भगदड़ः 3200 पन्नों की चार्जशीट में भोले बाबा का नाम नहीं

हाथरस(ईएमएस)। यहां सत्संग के दौरान कई लोगों की जान चली गई। इसमें 11 लोगों को आरोपी बनाया गया है। लेकिन 32 सौ पेजों की इस रिपोर्ट में बाबा भोले का नाम नहीं है।पुलिस ने इस संबंध में एफआईआर दर्ज की थी लेकिन उसमें भी नारायण साकार हरि का नाम नहीं था। पुलिस ने कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की। भगदड़ में 121 लोगों की जानें चली गई थीं। जांच के दौरान आयोजकों पर कई गंभीर सवाल उठाए गए थे। बचाव पक्ष के वकील ए।पी। सिंह ने बुधवार को बताया कि पुलिस ने 3200 पन्नों का आरोपपत्र कोर्ट में पेश किया। अदालत ने आरोपियों को चार्जशीट की कॉपी उपलब्ध कराने की तारीख चार अक्टूबर तय की है।

कार्यक्रम के मुख्य आयोजक देव प्रकाश मधुकर सहित 10 आरोपियों को अलीगढ़ जिला जेल से हाथरस जिला अदालत में पेश किया गया। एक आरोपी मंजू यादव फिलहाल इलाहाबाद हाई कोर्ट से जमानत मिलने के बाद बाहर है। सिंह ने बताया कि मामले की अलग से न्यायिक जांच भी हो रही है।इससे पहले इस मामले में मुख्य आरोपी देव प्रकाश मधुकर, मेघ सिंह, मुकेश कुमार, मंजू देवी, मंजू यादव, राम लड़ेते, उपेंद्र सिंह, संजू कुमार, राम प्रकाश शाक्य, दुर्वेश कुमार और दलवीर सिंह को गिरफ्तार किया गया था। इनमें से महिला मंजू देवी और मंजू यादव की अंतरिम जमानत को मंजूर कर लिया गया है, लेकिन अब तक इनकी रिहाई नहीं हो पाई है। हादसा दो जुलाई को हाथरस के फुलरई गांव में हुआ था। यहां खेत में नारायण साकार विश्व हरि के सत्संग का आयोजन किया गया था। सत्संग में 80 हजार लोगों के आने की इजाजत ली गई थी, लेकिन करीब ढाई लाख लोग इसमें शामिल होने पहुंचे थे। आयोजन की व्यवस्था नारायण साकार हरि से सेवादारों ने ही संभाल रखी थी। सत्संग के बाद जब भोले बाबा वहां से जाने लोग तो सैकड़ों भक्त उनकी चरणों की धूल लेने के लिए भागने लगे। इसी बीच भगदड़ मच गई।

पुलिस ने इस संबंध में एफआईआर दर्ज की थी लेकिन उसमें भी नारायण साकार हरि का नाम नहीं था। आरोपियों की ओर से पैरवी कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता एपी सिंह ने बताया कि इस मामले में दो महिला आरोपियों मंजू देवी और मंजू यादव की हाईकोर्ट से अंतरिम जमानत हो चुकी है। इस मामले में पुलिस ने आरोप पत्र कोर्ट में दाखिल कर दिया है। एपी सिंह ने इस पूरी घटना को साजिश बताते हुए कहा कि कार्यक्रम में कुछ लोगों ने साजिश के तहत जहरीला स्प्रे किया, जिसकी वजह से भगदड़ मची।

हम पूजा या उत्सव के मूड में नहीं, जब तक न्याय नहीं जारी रहेगा विरोध प्रदर्शन

कोलकाता,(ईएमएस)। पश्चिम बंगाल के कोलकाता में एक ट्रेनी महिला डॉक्टर के साथ हुए दुष्कर्म और हत्या का मामला ठंडा नहीं हो रहा है। इस घटना के विरोध में डॉक्टर, नर्स, मेडिकल छात्र और नागरिक महालया के दिन कोलकाता की सड़कों पर उतर गए। सभी आरजी ट्रेनी डॉक्टर के लिए न्याय की मांग कर रहे हैं, जिसकी 9 अगस्त को दुष्कर्म के बाद बेहरमी से हत्या कर दी गई थी।

यह आंदोलन पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा जूनियर डॉक्टरों की सुरक्षा से जुड़ी मांगों को पूरा करने में नाकाम रहने के विरोध में किया गया था। जूनियर डॉक्टरों ने काम पर लौटने से इनकार कर दिया है जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होंगी और पीड़ित डॉक्टर को न्याय नहीं मिलता।

प्रदर्शनकारियों ने तख्तियां और तिरंगे के साथ नारे लगाते हुए मार्च किया। एक प्रदर्शनकारी और मृतक डॉक्टर के साथी ने कहा कि हम पूजा या उत्सव के मूड में नहीं हैं। जब तक हमारी बहन को न्याय नहीं मिल जाता, हम सड़कों पर विरोध प्रदर्शन जारी रखेंगे। हमने यह संदेश देने के लिए महालया का यह दिन चुना है। रैली के समापन पर बंगाल जूनियर डॉक्टर्स फ्रंट के नेताओं ने आंदोलन जारी रखने की कसम खाई और कहा कि हम हार नहीं मानेंगे। यह हमारी सुरक्षा, हमारी गरिमा और अभया के लिए न्याय का सवाल है। सरकार हमसे यह उम्मीद नहीं कर सकती कि हम चुप रहें और वे कुछ न करें।

यह विरोध प्रदर्शन महालया के दिन हुआ, जो दुर्गा पूजा उत्सव की शुरुआत का प्रतीक है। इस साल दुष्कर्म और हत्या के मामले के मद्देनजर इस आयोजन के समारोहों पर असर पड़ा है। रैली के बाद, प्रदर्शनकारी गंगा तट पर एकत्र हुए और प्रतीकात्मक रूप से एक हजार दीये जलाए। और कहा कि आज हमारे विरोध का 52वां दिन है और हम अभी भी हमलों का सामना कर रहे हैं।

महंत यति नरसिंहानंद गिरि के खिलाफ धार्मिक भावनाएं आहत करने का मामला दर्ज

गाजियाबाद (ईएमएस)। गाजियाबाद के डासना स्थित देवी मंदिर के महंत यति नरसिंहानंद गिरि के खिलाफ धार्मिक भावनाएं आहत करने का मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने कथित रूप से हिंदी भवन में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान इस्लाम धर्म के प्रवर्तक पैगंबर मोहम्मद साहब पर आपत्तिजनक टिप्पणियां कीं।

नरसिंहानंद के इसी भाषण का वीडियो वायरल होने के बाद उनके खिलाफ सिहानी गेट थाने में केस दर्ज किया गया है। यह कार्यक्रम 29 सितंबर को हुआ था, लेकिन गुरुवार को वीडियो वायरल होने पर पुलिस ने केस दर्ज किया। यह केस वहां तैनात उपनिरीक्षक ने दर्ज कराया है।

उपनिरीक्षक के मुताबिक जांच करने पर पता चला कि 29 सितंबर को अमर बलिदानी मेजर आसाराम व्याग सेवा संस्थान के नाम से हिंदी भवन में एक कार्यक्रम आयोजित किया था। इस कार्यक्रम में यति नरसिंहानंद भी आए थे। उन्होंने अपने भाषण में दूसरे समुदाय को लेकर आपत्तिजनक बातें कहीं। कार्यक्रम के दौरान नरसिंहानंद ने कहा, हम कभी धर्म से बंधे ही नहीं, जिन्होंने देशों की बात की, जिन्होंने राष्ट्रों की बात की, उनके पास ना एक देश है, ना एक राष्ट्र है। और जो अपने धर्म पर अडिग रहे, उनके सबके देख लो कितने राष्ट्र और कितने देश है। आज मैं केवल एक व्यक्ति के प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं।

हम हर साल जलाते हैं मेघनाद को... मेघनाद जैसा चरित्रवान व्यक्ति इस धरती पर दूसरा पैदा नहीं हुआ, हम हर साल जलाते हैं कुंभकर्ण को... कुंभकर्ण जैसा वैज्ञानिक योद्धा इस धरती पर पैदा नहीं हुआ। कुंभकर्ण के जैसा चरित्रवान व्यक्ति और उनकी गलती क्या थी, रावण ने एक छोटा सा अपराध किया और आज लाखों साल हो गए, हम रावण को जला रहे हैं, अब तो ऐसे-ऐसे अपराधी पैदा हो गए हैं, जिनके सामने रावण का कोई अस्तित्व नहीं है। इसके बाद आगे बोलते हुए नरसिंहानंद ऐसा कुछ कह गए कि उनके खिलाफ मामला दर्ज हो गया।

कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में करप्शन के मामले में टीएमसी की यूथ विंग का लीडर गिरफ्तार

कोलकाता (ईएमएस)। सीबीआई ने कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में करप्शन के मामले में टीएमसी की यूथ विंग के लीडर आशीष पांडे को गिरफ्तार किया है। पांडे के तृणमूल कांग्रेस से लिंक हैं और वह संदीप घोष का करीबी है। पांडे से पहले भी सीबीआई ने पूछताछ की थी। आशीष पांडे टीएमसी की यूथ विंग का लीडर है। करप्शन के मामले में कुल पांच गिरफ्तारियां हो चुकी हैं।

सीबीआई ने गुरुवार को आरजी कर मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष के खिलाफ भ्रष्टाचार के मामले में तृणमूल कांग्रेस के युवा नेता आशीष पांडे को गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने बताया कि घोष के करीबी माने जाने वाले पांडे जांच एजेंसी की जांच के दायरे में थे और सीबीआई ने 30 सितंबर को उनसे पूछताछ की थी।

संदीप घोष को भ्रष्टाचार के मामले में 2 सितंबर को गिरफ्तार किया गया था।बादमेंएजेंसी ने 9 अगस्त को कोलकाता के मेडिकल कॉलेज में एक पीजी ट्रेनी डॉक्टर के कथित बलात्कार और हत्या के मामले में उन्हें हिरासत में लिया।

कलकत्ता हाईकोर्ट के निर्देश पर दर्ज अपनी एफआईआर में सीबीआई ने संदीप घोष और कोलकाता स्थित तीन निजी संस्थाओं - मध्य झोरेहाट, बानीपुर, हावड़ा के मा तारा ट्रेडर्स, बेलगछिया के ईशान कैफे और खामा लौहा के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने भारत सहित पांच देशों से अपने राजदूतों को वापस बुलाया

नई दिल्ली (ईएमएस)। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने भारत सहित पांच देशों से अपने राजदूतों को वापस बुला लिया है । मोहम्मद यूनुस सरकार ने इस सप्ताह संयुक्त राष्ट्र से भी अपने राजनयिकों को वापस बुला लिया है। भारत में उच्चायुक्त मुस्तफिज़ुर रहमान के अलावा, वापस बुलाए गए अन्य लोगों में न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र के स्थायी प्रतिनिधि और ऑस्ट्रेलिया, बेल्जियम और पुर्तगाल में राजदूत शामिल हैं। रहमान सहित वापस बुलाए गए कुछ राजनयिक आने वाले महीनों में रिटायर होने वाले थे।

भारत में बांग्लादेश के राजदूत मुस्तफिज़ुर रहमान की बात करें तो वह एक अनुभवी राजनयिक हैं, जिन्हें जुलाई 2022 में भारत में उच्चायुक्त नियुक्त किया गया था और इससे पहले उन्होंने जिनेवा में संयुक्त राष्ट्र में बांग्लादेश के स्थायी प्रतिनिधि और स्विट्जरलैंड और सिंगापुर में दूत के रूप में कार्य किया था।

घड़ी को लेकर शरद पवार ने फिर खटखटाया सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा

पुणे ,(ईएमएस)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों से पहले राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) में एक बार फिर से चुनाव चिन्ह को लेकर विवाद उठ खड़ा हो गया है। एनसीपी के अध्यक्ष शरदचंद्र पवार ने सुप्रीम कोर्ट से मांग की है कि अजीत पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी को घड़ी चुनाव चिह्न का इस्तेमाल करने से रोका जाए।

शरद पवार ने याचिका में कहा कि अजीत पवार गुट को नया चुनाव चिह्न आवंटित किया जाए। इसके लिए उन्होंने चुनाव आयोग को निर्देश देने का भी आग्रह कोर्ट से किया है कि अजीत पवार नए चुनाव चिन्ह के लिए आवेदन करें। इस विवाद की शुरुआत तब हुई जब फरवरी में निर्वाचन आयोग ने अजीत पवार के नेतृत्व वाले गुट को विधायी बहुमत के आधार पर आधिकारिक एनसीपी के रूप में मान्यता दी थी। इसके साथ ही चुनावआयोग ने एनसीपी का चुनाव चिन्ह घड़ी भी अजीत पवार को दे दिया था।

शरद पवार ने इस बात पर जोर दिया है कि अजित गुट ने पिछले लोकसभा चुनावों में घड़ी चुनाव चिह्न का इतेमाल किया था, जिससे मतदाताओं में भ्रम की स्थिति पैदा हो गई थी। उन्होंने कहा कि इससे उनके गुट को नुकसान पहुंचा है। उनका कहना है कि विधानसभा चुनावों में निर्वाचन क्षेत्रों के अपेक्षाकृत छोटे आकार के कारण इस तरह के भ्रम का प्रभाव और भी ज्यादा हो सकता है।

याचिका में शरद पवार ने अजीत पवार से यह मांग की है कि वह मामले के लंबित रहने के दौरान आगामी महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए एक नए चुनाव चिन्ह के लिए आवेदन करें। इस मामले की सुनवाई 15 अक्टूबर को न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ करेगी। यह विवाद एनसीपी में बढ़ते राजनीतिक तनाव को दर्शाता है, जहां पार्टी के अंदर विभाजन के कारण नेतृत्व को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। आगामी विधानसभा चुनावों में यह मामला चुनावी रणनीतियों पर गहरा असर डाल सकता है।

यूनाइटेड स्टेट्स कमीशन ऑन इंटरनेशनल रिलिजि यस फ्रीडम की रिपोर्ट को किया ख़ारिज

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत सरकार ने अमेरिका के यूनाइटेड स्टेट्स कमीशन ऑन इंटरनेशनल रिलिजियस फ्रीडम की रिपोर्ट को सिरे से खारिज कर दिया है। मोदी सरकार ने कहा कि ये यूएस कमीशन पक्षपाती और राजनीतिक एजेंडे वाला संगठन है। विदेश मंत्रालय के सचिव रण धीर जायसवाल ने कहा, यूनाइटेड स्टेट्स कमीशन ऑन इंटरनेशनल रिलिजियस फ्रीडम को लेकर हमारी राय बिल्कुल साफ है। ये एक पक्षपातपूर्ण संगठन है, जिसका एक राजनीतिक एजेंडा है।

रणधीर जायसवाल ने कहा, यूनाइटेड स्टेट्स कमीशन ऑन इंटरनेशनल रिलिजियस फ्रीडम, शुरुआत से ही तथ्यों को गलत तरीके से पेश करता है। इससे भारत के बारे में मोटिवेटेड नैरेटिव को बढ़ाना जारी रखा है। हम इस दुर्भावनापूर्ण रिपोर्ट को अस्वीकार करते हैं। यह रिपोर्ट यूनाइटेड स्टेट्स कमीशन ऑन इंटरनेशनल रिलिजियस फ्रीडम को बदनाम करने का काम करती है।

बांग्लादेश ने भारत से वापस बुलाए अपने राजदूत

ढाका(ईएमएस)। बांग्लादेश की यूनुस सरकार ने भारत सहित पांच देशों से अपने राजदूतों को वापस बुलाने का फैसला किया है। इस सप्ताह संयुक्त राष्ट्र से भी अपने राजनयिकों को वापस बुला लिया है। नाम न बताने की शर्त पर इस मामले से परिचित लोगों ने बताया कि बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय के प्रशासनिक प्रभाग द्वारा जारी किए गए आदेश से विदेश सेवा के अधिकारी नाराज हैं। उनका कहना है कि भारत में उच्चायुक्त सहित वापस बुलाए गए कई राजदूत राजनीतिक तौर पर नियुक्त नहीं किए गए थे।लोगों ने बताया कि भारत में उच्चायुक्त मुस्तफिज़ुर रहमान के अलावा, वापस बुलाए गए अन्य लोगों में न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र के स्थायी प्रतिनिधि और ऑस्ट्रेलिया, बेल्जियम और पुर्तगाल में राजदूत शामिल हैं। रहमान सहित वापस बुलाए गए कुछ राजनयिक आने वाले महीनों में रिटायर होने वाले थे।

(नई दिल्ली) मैरिटल रेप को अपराध बनाने की जरूरत नहीं, यह कानूनी से ज्यादा सामाजिक मुद्दा - केंद्र

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्र सरकार ने मैरिटल रेप को अपराध घोषित करने की मांग करने वाली याचिकाओं का विरोध किया है और कहा है कि मैरिटल रेप को अपराध बनाने की जरूरत नहीं है, यह यह कानूनी से ज्यादा सामाजिक मुद्दा है। साथ ही कहा कि इसके लिए वैकल्पिक उपयुक्त रूप से तैयार दंडात्मक उपाय मौजूद हैं।

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने मौजूदा कानून का समर्थन किया, जो पति और पत्नी के बीच यौन संबंधों के लिए अपवाद बनाता है।

केंद्र सरकार ने अपने हलफनामे में कहा कि यह मुद्दा कानूनी से अधिक सामाजिक है, जिसका सामान्य रूप से समाज पर सीधा असर पड़ता है। इस मुद्दे पर सभी हितधारकों से उचित परामर्श किए बिना या सभी राज्यों के विचारों को ध्यान में रखे बिना फैसला नहीं लिया जा सकता है।

केंद्र सरकार ने कहा कि विवाह से महिला की सहमति समाप्त नहीं होती है और इसके उल्लंघन के परिणामस्वरूप दंडात्मक परिणाम होने चाहिए। हालांकि, विवाह के भीतर इस तरह के उल्लंघन के परिणाम विवाह के बाहर के उल्लंघन से भिन्न होते हैं। सहमति के उल्लंघन के लिए अलग-अलग सजा दी जानी चाहिए। यह इस बात पर निर्भर करता है कि ऐसा कृत्य विवाह के भीतर हुआ है या विवाह के बाहर।

सरकार ने कहा कि विवाह में अपने जीवनसाथी से उचित यौन संबंध बनाने की निरंतर अपेक्षा की जाती है। ऐसी अपेक्षाएं पति को अपनी पत्नी को उसकी इच्छा के विरुद्ध यौन संबंध बनाने के लिए मजबूर करने का अधिकार नहीं देती हैं। हालांकि, केंद्र ने कहा कि इस तरह के कृत्य के लिए बलात्कार विरोधी कानूनों के तहत किसी व्यक्ति को दंडित करना अत्यधिक और असंगत हो सकता है।

सरकार ने कहा कि संसद ने विवाह के भीतर विवाहित महिला की सहमति की रक्षा के लिए पहले से ही विभिन्न उपाय प्रदान किए हैं। इन उपायों में विवाहित महिलाओं के प्रति क्रूरता को दंडित करने वाले कानून (भारतीय दंड संहिता के तहत धारा 498ए) है। महिलाओं की शील के विरुद्ध कृत्यों को दंडित करने वाले कानून और घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम, 2005 के तहत उपाय शामिल हैं।

केंद्र ने कहा कि यौन पहलू पति और पत्नी के बीच संबंधों के कई पहलुओं में से एक है, जिस पर उनके विवाह की नींव टिकी हुई है। हमारे सामाजिक-कानूनी परिवेश में वैवाहिक संस्था की प्रकृति को देखते हुए, यदि विधायिका का यह विचार है कि वैवाहिक संस्था के संरक्षण के लिए, विवादित अपवाद को बरकरार रखा जाना चाहिए तो अदालत द्वारा अपवाद को रद्द करना उचित नहीं होगा।

जन हितैषी

ईरान द्वारा इस्त्राइल पर मिसाइल हमला: तृतीय विश्व युद्ध की आहट

ईरान और इस्त्राइल के बीच लंबे समय से चले आ रहे तनाव ने एक नया चिंताजनक मोड़ ले लिया है। ईरान ने इस्त्राइल पर मंगलवार की रात सैकड़ों मिसाइलें दागी हैं। यह संख्या पहले डेढ़ सौ से दो सौ के बीच बताई जा रही थी। अब यह आंकड़ा तीन सौ से चार सौ के बीच बताया जा रहा है। ईरान का यह हमला न केवल दोनों देशों के बीच के तनाव को चरम पर ले गया है, वरन पूरे मध्य पूर्व की स्थिरता को गंभीर खतरे में डाल दिया है।

इस्त्राइल और ईरान के बीच की दुश्मनी कोई नई बात नहीं है। दोनों देश वर्षों से एक-दूसरे के खिलाफ लड़ रहे हैं। ईरान की परमाणु महत्वाकांक्षाएं और इस्त्राइल का सुरक्षा तंत्र और इजरायल द्वारा किया जा रहा है। यह विस्तार मुख्य झगड़े की जड़ है। हाल के हमले ने इस संघर्ष को विश्व स्तर का बना दिया है। इतने बड़े पैमाने पर मिसाइल हमले का मतलब है, ईरान अब न केवल इस्त्राइल के खिलाफ अपनी आक्रामकता को खुलकर दिखा रहा है, बल्कि वह इसराइल और अमेरिका के साथ खुलकर लड़ने के लिए मैदान में आ गया है। यह ईरान की शक्ति का प्रदर्शन भी माना जा सकता है। ईरान अपनी सैन्य क्षमता का संदेश सारी दुनिया को देना चाहता है। इस्त्राइल ने कई बार ईरान के परमाणु कार्यक्रमों पर निशाना साधने और उसके आंतरिक मामलों में दखल देने के कारण ईरान को आक्रामक बना दिया है। इस्त्राइल की ओर से इस हमले का जवाब ईरान को मिलना तय है। इस्त्राइल की प्रतिक्रिया से ईरान सहित पूरे मध्य पूर्व में तनाव बढ़ना तय है। इसमे वैश्विक शक्तियों के हस्तक्षेप की संभावना बढ़ गईं है। यह पूरी स्थिति विश्व शांति के लिए बेहद चिंताजनक है। जब दुनिया के देश कई ?वि?भिन्न समस्याओं से जूझ रहे है। यह सैन्य संघर्ष की शुरुआत पूरे विश्व को अस्थिर कर सकती है। संयुक्त राष्ट्र और अन्य अंतरराष्ट्रीय संगठन इस लड़ाई में मध्यस्थता के लिए जो प्रयास अभी तक किए गये हैं, वह सब विफल रहे हैं। जल्द ही समाधान की दिशा में ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो यह संघर्ष भयावह हो सकता है।मिसाइल हमले के बाद की स्थिति में क्षेत्रीय स्थिरता, नागरिकों की सुरक्षा और वैश्विक शांति सभी खतरे में पड़ती दिख रही है। अब यह देखना होगा कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय इस संकट को शांत करने के लिए क्या प्रयास करता है। इजराइल ने जिस तरह से आक्रामक तेवर दिखाये हैं, अमेरिका ने पीछे से इजराइल का समर्थन किया है। पिछले कई महीनो से इजराइल नरसंहार कर रहा है। गाजा पट्टी पर कब्जा करने के बाद इजराइल अब लेबनान में घुस गया है। ईरान को सीधी चेतावनी दे दी गई है ऐसी स्थिति में अब ईरान के पास भी और कोई विकल्प नहीं रह गया था। ईरान के हमले के बाद वैश्विक स्तर पर चीन और रूस का समर्थन ईरान को मिलना तय है। यूक्रेन और रूस के बीच में पिछले कई महीनो से युद्ध चल रहा है। नाटो के देश और अमेरिका खुलकर यूक्रेन का साथ दे रहे हैं। इजराइल अपनी विस्तारवादी नीतियों के कारण आक्रामक बना हुआ है। रूस और चीन जैसी महा शक्तियों को अपने अस्तित्व को बनाए रखने के लिए इस युद्ध में ईरान के पक्ष में कूदना ही पड़ेगा। रूस ने चेतावनी दी है, वह अपनी परमाणु और एटमी शक्ति का उपयोग कर सकता है। ऐसी स्थिति में तृतीय विश्व युद्ध की आशंका अब व्यक्त की जाने लगी है। दुनिया के सारे देश आर्थिक मंदी में फंसे हुए हैं। दुनिया के देशों में शासको के खिलाफ बड़े पैमाने पर आंदोलन चल रहे हैं। राजनीतिक दृष्टि से जब आंतरिक चुनौतियों तेज हो जाती हैं, तब शासक वर्ग इसी तरह से जनता का ध्यान भटकाने के लिए बाहय युद्ध का हउआ खड़ा करके अपनी सत्ता को बचाना चाहते हैं। सत्ता की इस लड़ाई में एक बार फिर विश्व शांति खतरे में पड़ रही है। कोई किसी की नहीं सुन रहा है। ?जिस तरह की ?स्थिति बन गई है, उसमें खाड़ी के देश ईराक, जार्डन, सऊदी, यूएई, कतर जैसे देश भी इस लड़ाई में शा?मिल होंगे। ईरान ने चेतावनी देते हुए कहा ?मिसाईल का यह हमला ट्रेलर है। पूरी ?पिक्चर बाकी है। ईरान ने अमे?रिकी परस्त खाड़ी देशों को भी ?निशाने पर ले ?लिया है। इससे सारी दु?निया में इस लड़ाई को तीसरे ?विश्व युद्ध की लड़ाई का प्रारं?भिक चरण माना जा रहा है।

शक्तिशाली देशों की सूची में भारत पहुंचा तीसरे स्थान पर

आस्ट्रेलिया के एक संस्थान, लोवी इन्स्टिट्यूट थिंक टैंक, ने हाल ही में एशिया में शक्तिशाली देशों की एक सूची जारी की है। ''एशिया पावर इंडेक्स 2024'' नामक इस सूची में भारत को एशिया में तीसरा सबसे बड़ा शक्तिशाली देश बताया गया है। वर्ष 2024 के इस इंडेक्स में भारत ने जापान को पीछे छोड़ा है। इस इंडेक्स में अब केवल अमेरिका एवं चीन ही भारत से आगे है। रूस तो पहिले से ही इस इंडेक्स में भारत से पीछे हो चुका है। इस प्रकार अब भारत की शक्ति का आभास वैश्विक स्तर पर भी महसूस किया जाने लगा है। एशिया पावर इंडेक्स 2024 के प्रतिवेदन में बताया गया है कि वर्ष 2023 के इंडेक्स में भारत को 36.3 अंक प्राप्त हुए थे जो वर्ष 2024 के इंडेक्स में 2.8 अंक से बढ़कर 39.1 अंकों पर पहुंच गए हैं एवं भारत इस इंडेक्स में चौथे स्थान से तीसरे स्थान पर आ गया है।

एशिया पावर इंडेक्स 2024 को विकसित करने के लिए कुल 27 देशों और क्षेत्रों से प्राप्त आंकड़ों का आंकलन एवं सूक्षम विश्लेषण किया गया है। एशिया में जो नए शक्ति समीकरण बन रहे हैं उनका ध्यान भी इस इंडेक्स में रखा गया है तथा विभिन्न मापदंडों पर आधारित पिछले 6 वर्षों के आकड़ों का विश्लेषण कर यह इंडेक्स बनाया गया है। आर्थिक क्षमता, सैन्य (मिलिटरी) क्षमता, अर्थव्यवस्था में लचीलापन, भविष्य में संसाधनों की उपलब्धता, कूटनीतिक, राजनयिक एवं आर्थिक सम्बंध एवं सांस्कृतिक प्रभाव जैसे मापदंडो पर उक्त 27 देशों एवं क्षेत्रों का आंकलन कर विभिन्न देशों को इस इंडेक्स में स्थान प्रदान किया गया है।

उक्त इंडेक्स में अमेरिका, 81.7 अंकों के साथ प्रथम स्थान पर है। चीन 72.7 अंकों के साथ द्वितीय स्थान पर है। भारत ने इस इंडेक्स में 39.1 अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान प्राप्त किया है। जापान को 38.9 अंक, आस्ट्रेलिया को 31.9 अंक एवं रूस को 31.1 अंक प्राप्त हुए हैं एवं इन देशों का क्रमशः चतुर्थ, पांचवा एवं छठवां स्थान रहा है। इस इंडेक्स में प्रथम 5 स्थानों में से 4 स्थानों पर ''क्वाड'' के सदस्य देश हैं - अमेरिका, भारत, जापान एवं आस्ट्रेलिया। एशिया में अमेरिका की लगातार बढ़ती मजबूत ताकत के चलते उसे इस इंडेक्स में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। जबकि, चीन की मजबूत मिलिटरी ताकत के चलते उसे इस इंडेक्स में द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ है। जापान के इस इंडेक्स में तीसरे से चौथे स्थान पर आने के कारणों में मुख्य कारण उसकी आर्थिक स्थिति में लगातार आ रही गिरावट है। भारत ने चौथे स्थान से तीसरे स्थान पर छलांग लगाई है। आर्थिक क्षमता एवं भविष्य में संसाधनों की उपलब्धता के क्षेत्र में भारत को तीसरा स्थान प्राप्त हुआ है। साथ ही, सैन्य क्षमता, कूटनीतिक, राजनयिक एवं आर्थिक सम्बंध के क्षेत्र एवं सांस्कृतिक प्रभाव के क्षेत्र में भारत को चौथा स्थान प्राप्त हुआ है। अब केवल अमेरिका और चीन ही भारत से आगे हैं एवं जापान, आस्ट्रेलिया एवं रूस भारत से पीछे हो गए हैं। जबकि, कुछ वर्ष पूर्व तक विश्व की महान शक्तियों में भारत का कहीं भी स्थान नजर नहीं आता था। केवल अमेरिका, रूस, चीन, जापान, ब्रिटेन, जर्मनी, फ्रान्स आदि देशों को ही विश्व में महाशक्ति के रूप में गिना जाता था। अब इस सूची में भारत तीसरे स्थान पर पहुंच गया है।

उक्त इंडेक्स तैयार करते समय आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड आदि अन्य शक्तिशाली देशों का भी आंकलन किया गया है। साथ ही, विश्व में तेजी से बदल रहे शक्ति के नए समीकरणों का भी व्यापक आंकलन किया गया है। इस आंकलन के अनुसार अमेरिका अभी भी एशिया में सबसे बड़ी आर्थिक ताकत बना हुआ है। चीन तेजी से आगे बढ़कर दूसरे स्थान पर आया है। तेजी से बढ़ती सेना एवं आर्थिक तरक्की चीन की मुख्य ताकत है। उक्त प्रतिवेदन में यह तथ्य भी बताया गया है कि उभरते हुए भारत से अपेक्षाओं एवं वास्तविकताओं में अंतर दिखाई दे रहा है। इस प्रतिवेदन के अनुसार, भारत के पास अपने पूर्वी देशों को प्रभावित करने की सीमित क्षमता है। परंतु, वास्तविकता इसके ठीक विपरीत है। भारत अपने पड़ौसी देशों नेपाल, भूटान, श्रीलंका, बंगलादेश, म्यांमार एवं अफगानिस्तान, आदि की विपरीत परिस्थितियों के बीच भारी मदद करता रहा है। आसियान के सदस्य देशों की भी भारत समय समय पर मदद करता रहा है, एवं इन देशों का भारत पर अपार विश्वास रहा है। कोरोना के खंडकाल में एवं श्रीलंका, म्यांमार तथा अफगानिस्तान में आए सामाजिक संघर्ष के बीच भारत ने इन देशों की मानवीय आधार पर भरपूर आर्थिक सहायता की थी एवं इन्हें अमेरिकी डॉलर में लाइन आफ क्रेडिट की सुविधा भी प्रदान की थी ताकि इनके विदेशी व्यापार को विपरीत रूप से प्रभावित होने से बचाया जा सके। उक्त प्रतिवेदन के अनुसार भारत के पास भारी मात्रा में संसाधन मौजूद हैं एवं जिसके बलबूते पर आगे आने वाले समय में भारत के आर्थिक विकास को और अधिक गति मिलने की अपार सम्भावनाएं मौजूद हैं। साथ ही, भारत अपने पड़ौसी देशों की आर्थिक स्थिति सुधारने की भी क्षमता रखता है। भारत ने हाल ही के वर्षों में उल्लेखनीय आर्थिक सुधार कार्यक्रम लागू किए हैं। जिसके चलते लगातार तेज हो रहे आर्थिक विकास के बीच सकल घरेलू उत्पाद की स्थिति और बेहतर हो रही है तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की मान्यता बढ़ रही है। साथ ही, बहुपक्षीय मंचों पर भी भारत की सक्रिय भागीदारी बढ़ती जा रही है।

भारत ने पिछले कुछ वर्षों में एशिया के कई देशों के साथ अपने सम्बंधों को मजबूत किया है। अब तो अफ्रीकी देशों का भी भारत पर विश्वास बढ़ता जा रहा है एवं भारत में ग्लोबल साउथ का नेतृत्व करने की अपार सम्भावनाएं मौजूद हैं। भारत में हाल ही में अपनी कूटनीतिक एवं राजनयिक क्षमता में भी भरपूर सुधार किया है एवं इसके बल पर वैश्विक स्तर पर न केवल विकसित देशों बल्कि विकासशील देशों को भी प्रभावित करने में सफल रहा है। यूक्रेन एवं रूस युद्ध के समय केवल भारत ही दोनों देशों के साथ चर्चा कर पाता है एवं युद्ध को समाप्त करने का आग्रह दोनों देशों को कर पाता है। इसी प्रकार, इजराइल एवं हमास युद्ध के समय भी भारत दोनों देशों के साथ युद्ध समाप्त करने की चर्चा करने में अपने आप को सहज एवं सक्षम पाता है। आपस में युद्ध करने वाले दोनों देश भारत की सलाह को गम्भीरता से सुनते नजर आते हैं। भारत ने कभी भी विभिन्न देशों के आंतरिक स्थितियों पर अपनी विपरीत राय व्यक्त नहीं की है और न ही कभी उनके आंतरिक मामलों में कभी हस्तक्षेप किया है। इस दृष्टि से वैश्विक पटल पर भारत की यह विशिष्ट पहचान एवं स्थिति है।

दक्षिण एशिया के देशों में चीन अपना प्रभाव बढ़ाने का प्रयास कर रहा है इसलिए भारत का पूरा ध्यान इस क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव को कम कर अपने प्रभाव को बढ़ाना है। इसी मुख्य कारण से शायद भारत दक्षिण एशिया के देशों पर अधिक ध्यान देता दिखाई दे रहा है। जिसका आशय उक्त प्रतिवेदन में यह लिया गया है कि विश्व के अन्य देशों को सहायता करने की भारत की क्षमता तो अधिक है परंतु अभी उसका उपयोग भारत नहीं कर पा रहा है। हिंद महासागर पर भारत का ध्यान अधिक है और क्वाड के सदस्य देश मिलकर भारत की इस दृष्टि से सहायता भी कर रहे हैं। दक्षिण एशियाई देशों के अलावा विश्व के अन्य देशों की मदद करने के संदर्भ में भारत ने हालांकि अभी हाल ही के समय में बढ़त तो बनाई है परंतु अभी और अधिक प्रयास करने की आवश्यकता है। भारत में आगे बढ़ने की अपार सम्भावनाएं मौजूद हैं।

उक्त प्रतिवेदन में भारत को एशिया को तीसरा सबसे बड़ा ताकतवर देश बताया गया है परंतु वस्तुतः भारत अब एशिया का ही नहीं बल्कि विश्व का तीसरा सबसे बड़ा ताकतवर देश बन गया है क्योंकि इस सूची में एशिया के बाहर से अमेरिका को भी एशिया में पहिले स्थान पर बताया गया है। एक अन्य अमेरिकी थिंक टैंक का आंकलन है कि भारत यदि इसी रफ्तार से आगे बढ़ता रहा तो इस शताब्दी के अंत तक भारत, चीन एवं अमेरिका को भी पीछे छोड़कर विश्व का सबसे अधिक शक्तिशाली देश बन जाएगा। (लेखक- प्रहलाद सबनानी / ईएमएस)

नौ शक्तियों का मिलन पर्व है नवरात्रि

(शारदीय नवरात्रि (3-12 अक्तूबर) पर विशेष)

आदि शक्ति दुर्गा की पूजा के पावन पर्व नवरात्रि की शुरूआत हो चुकी है। नवरात्रि के ये दिन देवी दुर्गा के विभिन्न नौ स्वरूपों की उपासना के लिए निर्धारित हैं और इसीलिए नवरात्रि को नौ शक्तियों के मिलन का पर्व भी कहा जाता है। प्रतिपदा से शुरू होकर नवमी तक चलने वाले नवरात्र नवशक्तियों से युक्त हैं और हर शक्ति का अपना-अपना अलग महत्व है। शारदीय नवरात्रि की शुरुआत इस वर्ष 3 अक्तूबर से हुई है, जिनका समापन 12 अक्तूबर को होगा। नवरात्र के पहले स्वरूप में मां दुर्गा पर्वतराज हिमालय की पुत्री पार्वती के रूप में विराजमान हैं। नंदी नामक वृषभ पर सवार शैलपुत्री के दाहिने हाथ में त्रिशूल और बाएं हाथ में कमल का पुष्प है। शैलराज हिमालय की कन्या होने के कारण इन्हें शैलपुत्री कहा गया। इन्हें समस्त वन्य जीव-जंतुओं की रक्षक माना जाता है। दुर्गम स्थलों पर स्थित बस्तियों में सबसे पहले शैलपुत्री के मंदिर की स्थापना इसीलिए की जाती है कि वह स्थान सुरक्षित रह सके।

मां दुर्गा के दूसरे स्वरूप 'ब्रह्मचारिणी' को समस्त विद्याओं की ज्ञाता माना गया है। माना जाता है कि इनकी आराधना से अनंत फल की प्राप्ति और तप, त्याग, वैराग्य, सदाचार, संयम जैसे गुणों की वृद्धि होती है। 'ब्रह्मचारिणी' अर्थात् तप की चारिणी यानी तप का आचरण करने वाली। ब्रह्मचारिणी श्वेत वस्त्र पहने दाएं हाथ में अष्टदल की माला और बाएं हाथ में कमंडल लिए सुशोभित है। कहा जाता है कि देवी ब्रह्मचारिणी अपने पूर्व जन्म में पार्वती स्वरूप में थीं। वह भगवान शिव को पाने के लिए 1000 साल तक सिर्फ फल खाकर रहीं और 3000 साल तक शिव की तपस्या सिर्फ पेड़ों से गिरी पत्तियां खाकर की। इसी कड़ी तपस्या के कारण उन्हें ब्रह्मचारिणी कहा गया।

मां दुर्गा का तीसरा स्वरूप है चंद्रघंटा। शक्ति के रूप में विराजमान मां चंद्रघंटा मस्तक पर घंटे के आकार का आधा चंद्रमा है। देवी का यह तीसरा स्वरूप भक्तों का कल्याण करता है। इन्हें ज्ञान की देवी भी माना गया है। बाघ पर सवार मां चंद्रघंटा के चारों तरफ अद्भुत तेज है। इनके शरीर का रंग स्वर्ण के समान चमकीला है। यह तीन नेत्रों और दस हाथों वाली हैं। इनके दस हाथों में कमल, धनुष-बाण, कमंडल, तलवार, त्रिशूल और गदा जैसे अस्त्र-शस्त्र हैं। कंठ में सफेद पुष्पों की माला और शीष पर रत्नजडित मुकुट विराजमान हैं। यह साधकों को चिरायु, आरोग्य, सुखी और सम्पन्न होने का वरदान देती हैं। कहा जाता है कि यह हर समय दुष्टों का संहार करने के लिए तत्पर रहती हैं और युद्ध से पहले उनके घंटे की आवाज ही राक्षसों को भयभीत करने के लिए काफी होती है।

चतुर्थ स्वरूप है कुष्मांडा। देवी कुष्मांडा भक्तों को रोग, शोक और विनाश से मुक्त करके आयु, यश, बल और बुद्धि प्रदान करती हैं। यह बाघ की सवारी करती हुईं अष्टभुजाधारी, मस्तक पर रत्नजडित स्वर्ण मुकुट पहने उज्जवल स्वरूप वाली दुर्गा हैं। इन्होंने अपने हाथों में कमंडल, कलश, कमल, सुदर्शन चक्र, गदा, धनुष, बाण और अक्षमाला धारण की हैं। अपनी मंद मुस्कान से ब्रह्मांड को उत्पन्न करने के कारण इनका नाम कुष्मांडा पड़ा। कहा जाता है कि जब दुनिया नहीं थी तो चारों तरफ सिर्फ अंधकार था। ऐसे में देवी ने अपनी हल्की-सी हंसी से ब्रह्मांड की उत्पत्ति की। वह सूरज के घेरे में रहती हैं। सिर्फ उन्हीं के अंदर इतनी शक्ति है, जो सूरज की तपिश को सहन कर सकें। मान्यता है कि वही जीवन की शक्ति प्रदान करती हैं।

दुर्गा का पांचवां स्वरूप है स्कन्दमाता। भगवान स्कन्द (कार्तिकेय) की माता होने के कारण देवी के इस स्वरूप को स्कन्दमाता के नाम से जाना जाता है। यह कमल के आसन पर विराजमान हैं, इसलिए इन्हें पद्मासन देवी भी कहा जाता है। इनका वाहन भी सिंह है। इन्हें कल्याणकारी शक्ति की अधिष्ठात्री कहा जाता है। यह दोनों हाथों में कमलदल लिए हुए और एक हाथ से अपनी गोद में ब्रह्मस्वरूप सनतकुमार को थामे हुए हैं। स्कन्द माता की गोद में उन्हीं का सूक्ष्म रूप छह सिर वाली देवी का है। दुर्गा मां का छठा स्वरूप है कात्यायनी। यह दुर्गा देवताओं और ऋषियों के कार्यों को सिद्ध करने लिए महर्षि कात्यायन के आश्रम में प्रकट हुईं। उनकी पुत्री होने के कारण ही इनका नाम कात्यायनी पड़ा। देवी कात्यायनी दानवों व पापियों का नाश करने वाली हैं। वैदिक युग में ये ऋषि-मुनियों को कष्ट देने वाले दानवों को अपने तेज से ही नष्ट कर देती थीं। यह सिंह पर सवार, चार भुजाओं वाली और सुसज्जित आभा मंडल वाली देवी हैं। इनके बाएं हाथ में कमल और तलवार व दाएं हाथ में स्वस्तिक और आशीर्वाद की मुद्रा है।

दुर्गा का सातवां स्वरूप कालरात्रि है, जो देखने में भयानक है लेकिन सदैव शुभ फल देने वाला होता है। इन्हें 'शुभंकारी' भी कहा जाता है। 'कालरात्रि' केवल शत्रु एवं दुष्टों का संहार करती हैं। यह काले रंग-रूप वाली, केशों को फैलाकर रखने वाली और चार भुजाओं वाली दुर्गा हैं। यह वर्ण और वेश में अर्द्धनारीश्वर शिव की तांडव मुद्रा में नजर आती हैं। इनकी आंखों से अग्नि की वर्षा होती है। एक हाथ से शत्रुओं की गर्दन पकड़कर दूसरे हाथ में खड़ग-तलवार से उनका नाश करने वाली कालरात्रि विकट रूप में विराजमान हैं। इनकी सवारी गधा है, जो समस्त जीव-जंतुओं में सबसे अधिक परिश्रमी माना गया है।

नवरात्र के आठवें दिन दुर्गा के आठवें रूप महागौरी की उपासना की जाती है। देवी ने कठिन तपस्या करके गौर वर्ण प्राप्त किया था। कहा जाता है कि उत्पत्ति के समय 8 वर्ष की आयु की होने के कारण नवरात्र के आठवें दिन इनकी पूजा की जाती है। भक्तों के लिए यह अन्नपूर्णा स्वरूप हैं, इसलिए अष्टमी के दिन कन्याओं के पूजन का विधान है। यह धन, वैभव और सुख-शांति की अधिष्ठात्री देवी हैं। इनका स्वरूप उज्जवल, कोमल, श्वेतवर्णा तथा श्वेत वस्त्रधारी है। यह एक हाथ में त्रिशूल और दूसरे में डमरू लिए हुए हैं। गायन और संगीत से प्रसन्न होने वाली 'महागौरी' सफेद वृषभ यानी बैल पर सवार हैं। नवीं शक्ति 'सिद्धिदात्री' देवी सरस्वती का भी स्वरूप हैं, जो श्वेत वस्त्रालंकार से युक्त सिद्धिदात्री महाज्ञान और मधुर स्वर से भक्तों को सम्मोहित करती हैं। कमल के आसन पर विराजमान देवी हाथों में कमल, शंख, गदा, सुदर्शन चक्र धारण किए हैं। सिद्धिदात्री सभी सिद्धियां प्रदान करने वाली हैं, जिनकी उपासना से भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। (लेखक- योगेश कुमार गोयल/ईएमएस) (लेखक 34 वर्षों से पत्रकारिता में निरंतर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

शब्द पहेली - 8148

बाएँ से दाएँ

1. नमाज से पहले पढ़ी जानेवाली आयत -3
3. तहजीब, शिष्टता-3
5. पिता के पिता-2
6. स्मृति-2
8. बारिश, बरखा-4
11. शांति, सन्नाटा-3
13. गिरवी रखी वस्तु-3
14. सूक्ष्म कण -2
15. बारबाला, मधुबाला
16. समझौता-3
18. बहने का भाव-3
20. बारिश का महीना-3
22. मां, मम्मी, मदर-2
24. श्रवणेंद्रिय-2
25. अंधकार, अंधेरा-3
26. अनुकृति-3

ऊपर से नीचे

1. नाज, नखरा, चौंचला-2
2. भाग्य, किस्मत-3
3. अचानक, अकस्मात -3
4. देह, बदन-2
5. बिजली, विद्युत रश्मि-3
7. दबाना, कुचलना-3
9. घोड़ागाड़ी-3
10. जुगत, युक्ति-4
12. कारण-3
16. कृष्ण का गरीब मित्र-3
17. पैंतरा, शर्त-2
19. भार-3
20. बहादुरी-3
21. नेत्र, आंख-3
23. पितामह-2
24. समयगति-2

शब्द पहेली -8147 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

सियासत में जलेबी, चूरमा और लड्डू

मुझे इजराइल-लेबनान युद्ध पर नहीं लिखना। मै फ़िलहाल चिराग पासवान पर भी नहीं लिखना चाहता। मै जलेबी और चूरमा पर लिख रहा हूँ ,क्योंकि मुझे लगता है कि मौजूदा कड़वी सियासत के दौर में जलेबी और चूरमा ज्यादा बेहतर विषय है लिखने के लिए। फ़िलहाल जलेबी और चूरमा पर हिन्दू-मुसलमान की छाप भी नहीं पड़ी है ,इसलिए वे अब तक समरसता का बोध कराने वाले मिष्ठान हैं।

आप मानें या न मानें लेकिन हकीकत ये है कि कड़वाहट से भरे नेताओं को भी मिष्ठान प्रिय होते हैं,भले ही नेता मधुमेह के शिकार हों। मिष्ठान सामने आ जाये तो पीछे नहीं हटता । देश के पूर्व प्रधानमंत्री और ग्वालियर के सपूत अटल बिहारी बाजपेयी को बहादुरा के लड्डू और गुलाब जामुन प्रिय थे,हालांकि वे चाची के मंगौड़ों के भी मुरीद थे।मुझे लगता है की भाजपा ने यहीं से मंगौड़े तलने की बात शुरू की थी । जब तक अटल जी रोग शैय्या पर नहीं गए थे तब तक इन लड्डुओं और मंगौड़ों का सेवन करते रहे। बाजपेयी जी से मिलने वाले उनके रिश्तेदार हों या और कोई यदि उन्हें बहादुरा के लड्डू भेंट करते थे तो उनके मुखमंडल पर एक स्निग्ध मुस्कान तैरने लगती थी।पूर्व राष्ट्रपति डॉ शंकर दयाल शर्मा जलेबी कि शौकीन थे । वे राष्ट्रपति भवन में आगंतुकों को भी जलेबी ही खिलते थे।

हाल ही में तिरुपति के प्रसादम में मिलने वाले लड्डुओं के विवाद के बावजूद ग्वालियर में न बहादुर के लड्डुओं के प्रेमियों की संख्या कम हुई है और न लखनऊ में ठग्गू के लड्डुओं की। लड्डू हैं ही ऐसी मिठाई जिसे हर जाति और धर्म के लोग खाते हैं। लड्डू मेरे हिसाब से मिठाइयों का राजा है। कायदे से उसे अब रक राष्ट्रीय मिष्ठान घोषित कर देना चाहिए था। मुमकिन है की महाराष्ट्र सरकार ने जैसे हाल ही में गाय को राज्य माता का दर्जा दिया है वैसे ही आने वाले दिनों में कोई लड्डू प्रेमी सरकार लड्डू को भी राज्य या राष्ट्र मिष्ठान का दर्जा दे दे। हमारे यहां दर्जा देना या पेरोल देना बहुत आसान काम है।

हरियाणा विधानसभा के चुनाव प्रचार में गोहाना पहुंचे लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता और भाजपा के सर पर चढ़े भूत राहुल गांधी भी जलेबी नाम के एक मिष्ठान के मुरीद हो गए। गोहाना की चुनवाई सभा के मंच पर राहुल गांधी ने मातूराम हलवाई की जलेबी का स्वाद चखा। दीपेंद्र हुड्डा ने राहुल गांधी को अपने हाथों ये जलेबी खिलाई। राहुल को इसका स्वाद इतना पसंद आया कि उन्होंने एक डिब्बा अपनी बहन प्रियंका गांधी के लिए पैक करवा लिया। उन्होंने अपनी रैली में भी इस जलेबी का जिक्र किया। बता दें कि लाला मातूराम की जलेबी कोई सामान्य जलेबी नहीं है, इनका आकार सामान्य जलेबी से ज्यादा बड़ा है।एक जलेबी ढाई सौ ग्राम तक की होती है।

जलेबी केवल हम भारतीयों को ही नहीं बल्कि भारत के बाहर तमाम इस्लामिक राष्ट्रों की जनता को भी प्रिय है । वे इसे हिन्दू मिठाई मानकर इसका तिरस्कार नहीं करते। जानकार बताते हैं कि जलेबी भारतीय उपमहाद्वीप व मध्यपूर्व की एक लोकप्रिय मिठाई है। यह किसी कर्ण कुंडल की तरह ऐसी रससभरी होती है कि आप इसे खाये बिना रह नहीं सकते । कोई इसे दूध में डालकर खाता है तो कोई रबड़ी डालकर । किसी को जलेबी दही के साथ खाना पसंद है लेकिन खाते सब है। कहीं जलेबी बहुत छोटे आकर की बनती है तो गोहाना में 250 ग्राम की एक। सागर में तो जलेबी में मावा भरा जाता है। इसका स्वाद में मीठी और खमीर की वजह से हल्की सी खट्टी जलेबी की लोकप्रियता ऐसी है की हमारे यहां सुंदर महिलाओं का नाम तक जलेबी बाई रखा जाता है।जलेबी की लोकप्रियता का अंदाजा आप इसी से लगा सकते हैं कि हमारे यहां जलेबी बाई फ़िल्मी गीत भी है ,बेव सीरीज भी है और कार्टून श्रंखला भी

जलेबी की धूम मैंने अपनी अनेक विदेश यात्राओं में भी देखी भारत के अलावा बांग्लादेश, पाकिस्तान, ईरान के साथ समस्त अरब देशों में भी यह जानी-पहचानी है। मैंने तो स्पेन में भी जलेबी खाई। अमेरिका में तो जलेबी आसानी से मिल जाती है। जलेबी की तारीफ़ कर इसके जरिये रोजगार की बात कर राहुल गांधी भले ही अपने विरोधियों द्वारा ट्रोल किये जा रहे हों लेकिन इससे जलेबी का तो भला ही हुआ।वैसे भी हमारे राम जी सभी का भला करते हैं ।

जलेबी के बाद आइये बात करते हैं चूरमा की । चूरमा राजस्थान का अघोषित राज्य मिष्ठान है और इसकी धूम देश-विदेश तक है । हाल ही में हमारे माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र दामोदर दास मोदी भी चूरमा खाकर न सिर्फ गदगद हो गए बल्कि उन्हें अपनी दिवंगत माँ की याद भी आ गयी । भारत के स्टार जैवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा की मान ने ये चूरमा भेजा था । मोदी जी ने चूरमा न सिर्फ खुद खाया बल्कि जमैका के प्रधानमंत्री को भी खिलाया और भावुक होकर नीरज की माँ श्रीमती सरोज देवी को एक आभार पत्र भी लिख दिया । आपको याद होगा की मोदी जी सामान्य तौर पर किसी कि पत्र का जबाब नहीं देते । मल्लिकार्जुन खरगे तक कि पत्र का जबाब उन्होंने भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा से दिलवाया था, लेकिन नीरज की माँ को मोदी जी ने खुद पत्र लिखा । ये चूरमे की ही ताकत तो थी । मोदी जी ने लिखा - , आज इस चूरमे को खाने के बाद आपको पत्र लिखने से खुद को रोक नहीं सका. भाई नीरज अक्सर मुझसे इस चूरमे की चर्चा करते हैं, लेकिन आज इसे खाकर मैं भावुक हो गया. आपके अपार स्नेह और अपनेपन से भरे इसे उपहार ने मुझे मेरी मां की याद दिला दी.

अब आप समझ ही गए होंगे कि मिष्ठान चाहे कोई भी हो बहुत ताकतवर चीज है। मिष्ठान शुष्क से शुष्क आदमी को भी सरस् बना सकता है। मिष्ठान कड़वाहट मिटाने का सबसे बढ़िया विकल्प है ,आप इसे कड़वाहट का ऐंटी डोज भी कह सकते हैं शायद इसीलिए हमारे यहां तीज-त्यौहारों पर मिठाइयों का आदान-प्रदान किया जाता है। मै तो कहता हूँ कि मिष्ठान बिना जग सूना है। राहुल को इसका स्वाद इतना पसंद आया कि उन्होंने एक डिब्बा अपनी बहन प्रियंका गांधी के लिए पैक करवा लिया। उन्होंने अपनी रैली में भी इस जलेबी का जिक्र किया। बता दें कि लाला मातूराम की जलेबी कोई सामान्य जलेबी नहीं है, सियासत में बढ़ती कड़वाहट और अदावत को मिष्ठान के जरिये दूर किया जा सकता है,फिर मिष्ठान चाहे लड्डू हो,जलेबी हो,चूरमा हो या बंगाल का रसोगुल्ला। मै तो कहता हूँ कि बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर स्वच्छता पखवाड़ा मानते हुए आम जनता को रसोगुल्ला वितरित करना चाहिए था। यदि ऐसा होता तो प्रधानमंत्री जी और उनकी पार्टी के तमाम लोग संदेशखाली और कोलकाता जैसे मुद्दे उठाना भूल जाते।

देश में पुरखों की विदाई के बाद देवी स्वरूपा दुर्गा का आगमन हो चुका है । हमें इन नौ दिनों में मिष्ठान के जरिये सौहार्द की वापसी की कोशिश करना चाहिए। मुहब्बत की दूकान खोलने से आपको ऐतराज हो सकता है किन्तु मिष्ठान की दूकान खोलने से नही। यदि यही मिष्ठान हमारे लिए रोजगार पैदा करने लगे तो भी क्या बुरा है। मिष्ठान भी किसी मंगौड़े से कम नहीं है।हम तो 8 अक्टूबर को हरियाणा और जम्मू -कश्मीर के सभी नए विधायकों से मिठाई खाएंगे।(लेखक - राकेश अचल / ईएमएस)

स्पेन में खेले जाएंगे डेविस कप टेनिस के फाइनल आठ मुकाबले

लंदन (ईएमएस)। डेविस कप टेनिस के फाइनल आठ मुकाबले 19 से 24 नवंबर तक स्पेन के मलागा में खेले जाएंगे। इसमें गत विजेता इटली नॉकआउट चरण के पहले मैच में अर्जेंटीना से खेलेगी जबकि अमेरिकी टीम का मुकाबला ऑस्ट्रेलिया से होगा। शीर्ष आठ देशों ने ग्रुप फाइनल से नॉकआउट चरण में प्रवेश किया है।

अपने तीनों ग्रुप फाइनल मुकाबलों में विजेता रही इटली की टीम नॉकआउट चरणों के लिए अपनी टीम को बेहतर करने के प्रयास करेंगी। उसके शीर्ष खिलाड़ी जैपनिक सिनर, ग्रुप चरण से बाहर थे पर वह अर्जेंटीना के खिलाफ होने वाले क्वार्टर फाइनल मुकाबले में वापसी कर सकते हैं। अर्जेंटीना ने ब्रिटेन और कनाडा जैसे जैसी टीमों के कठिन ग्रुप में जीत के साथ ही यहां तक का सफर तय किया है। वहीं अर्जेंटीना की टीम दो एकल मैच और एक युगल मैच में इटली पर जीत का प्रयास करेगी।

एक अन्य मुकाबले में अमेरिकी टीम ऑस्ट्रेलिया का सामना करने तैयार रहेगी। ग्रुप फाइनल के दौरान दोनों टीमों के प्रमुख खिलाड़ी उपस्थित नहीं थे पर क्वार्टर फाइनल में वे नजर आ सकते हैं। वहीं एक अन्य क्वार्टर फाइनल में, मेजबान स्पेन और नीदरलैंड खेलेगी जबकि कनाडा का मुकाबला जर्मनी से होगा।

खेल - समाचार

आईपीएल के नये नियम को कार्तिक ने सही बताया, बोले धोनी के कारण बनाया गया

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक ने आईपीएल गवर्निंग बॉडी के अनकैप्ड क्रिकेटर को खेलने की अनुमति दिये जाने के फैसले को सही बताया है। नए रिटेंशन नियम के अनुसार, कोई भी खिलाड़ी जिसने पिछले पांच सालों में भारत के लिए नहीं खेला है, उसे अनकैप्ड माना जाएगा और उसे काफी कम कीमत पर रिटेन किया जा सकता है। यह चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के लिए फायदेमंद रहेगा और वह अपने पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी को रिटेन कर सकेगा। कार्तिक का मानना है कि यह नियम केवल धोनी के लिए ही बनाया गया है। उन्होंने कहा, हर कोई इसके बारे में बात करता है। यह नियम धोनी के लिए बनाया गया है और मैं इसके लिए पूरी तरह से तैयार हूं। वह आईपीएल के इस इतिहास का एक बड़ा हिस्सा रहा है। हर कोई उसे खुश है चाहे वह बीसीसीआई हो, कोई भी टीम हो, चाहे लीग ने पिछले कुछ सालों में कैसा प्रदर्शन किया हो पर पिछले 15-18 सालों में इसने खिलाड़ियों को खुश रखा है।
उन्होंने कहा, आप किसी भी टीवी प्रसारक से पूछ सकते हैं और आपको जवाब मिलेगा कि जब यह व्यक्ति मैदान पर उतरता है, तो रेटिंग बढ़ जाती है। यह एक तथ्य है। अगर आप कुछ ऐसा करने जा रहे हैं जिससे लीग को मदद मिलेगी, तो क्यों नहीं किया जाये? आप नियमों को तोड़ना नहीं चाहते, लेकिन अगर यह निष्पक्ष है, जहां सभी टीमों को सूचित किया गया है और उन्हें लगता है कि यह निष्पक्ष है, तो आगे बढ़ना ही चाहिये।

मुकेश कुमार ने ईरानी कप में पांच विकेट लिए

नई दिल्ली (ईएमएस)। मुम्बई के गेंदबाज मुकेश कुमार ने ईरानी कप में शेष भारत के खिलाफ हुए मुकाबले में पांच विकेट लिए हैं। मुकेश ने शीर्ष क्रम के 3 बल्लेबाजों को पेवेलियन भेजा। मुकेश ने सबसे पहले पृथ्वी शॉ को आउट किया. इसके बाद उन्होंने आयुष महात्रे और हार्दिक तमोरे का विकेट निकाला। फिर उन्होंने शम्स मुलानी और जुबेर खान का भी विकेट लिए। इस तरह मुकेश ने कुल 110 रन देकर 5 विकेट लिए।

मुकेश को इंग्लैंड के खिलाफ पिछली टेस्ट सीरीज में भारतीय टीम में शामिल किया गया था। तब उन्हें सीरीज में केवल एक मैच में ही लिया गयाथा। वह पहली पारी में विकेट नहीं ले पाये पर दूसरी पारी में उन्हें एक विकेट मिला। मुकेश को बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज में भी अवसर नहीं मिला था। अब अपने प्रदर्शन से मुकेश ने न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए अपनी दावेदारी पेश की है। अब देखना है कि उन्हें अवसर मिलता है या नहीं।

मेसी की फीफा विश्व कप क्वालीफायर के लिए अर्जेंटीना टीम में वापसी

ब्यूनस आयर्स (ईएमएस)। अर्जेंटीना फुटबॉल संघ ने कहा है कि स्टार स्ट्राइकर लियोनेल मेसी फीफा विश्वकप क्वालीफायर में खेलेंगे। टखने की चोट के कारण पिछले कुछ समय से मैदान से बाहर थे। फुटबॉल संघ के अनुसार मेसी वेनेजुएला और बोलीविया के खिलाफ फीफा विश्व कप क्वालीफायर में खेलेंगे। मेसी टखने की चोट के कारण चिली और कोलंबिया के खिलाफ सितंबर में एल्बिसेलेस्टे के खिलाफ क्वालीफायर से बाहर हो गये थे हालांकि अब वह फिट हैं और अपने क्लब इंटर मियामी की ओर से उन्होंने मैदान में वापसी कर ली है।

अर्जेंटीना का मुकाबला 10 अक्टूबर को वेनेजुएला से और 15 अक्टूबर को बोलीविया से होगा। अभी अर्जेंटीना10 टीमों के दक्षिण अमेरिकी समूह में आठ मैचों में 18 अंकों लेकर शीर्ष पर है। वह दूसरे स्थान पर चल रहे कोलंबिया से दो अंक आगे है। इसमें से शीर्ष छह टीमें 2026 विश्व कप के लिए क्वालीफाई करेंगी, जिसकी मेजबानी संयुक्त राज्य अमेरिका, मैक्सिको और कनाडा करेंगे। वहीं सातवें स्थान पर रहने वाली टीम अंतरमहाद्वीपीय प्लेऑफ में खेलेगी।

अर्जेंटीना टीमः डिफेंडर्सः गोंजालो मोंटिएल (सेविला), नहुएल मोलिना (एटलेटिको मैड्रिड), क्रिस्टियन रोमेरो (टोटेनहम), जर्मन पेज़ेला (रिवर प्लेट), मार्कोस एक्यूना (रिवर प्लेट), लियोनार्डो बलेरडी (ओलंपिक मार्सिले), निकोलस ओटामेंडी (बेनफिका), लिसेंड्रो मार्टिनेज (मैनचेस्टर यूनाइटेड), निकोलस टैग्लियाफिको (ल्योन)।

फॉरवर्डः लियोनेल मेसी (इंटर मियामी), निकोलस गोंजालेज (जुवेंटस), एलेजांद्रो गार्नाचो (मैनचेस्टर यूनाइटेड), जूलियन अल्वारेज़ (एटलेटिको मैड्रिड), पाउलो डायबाला (रोमा), लुटारो मार्टिनेज (इंटर मिलान)।

गोलकीपरः वाल्टर बेनिटेज़ (पीएसवी आइंडहोवेन), गेरोनिमो रूली (ओलंपिक मार्सिले), जुआन मुसो (एटलेटिको मैड्रिड)। मिडफील्डरः लिएंड्रो पेरेडेस (रोमा), एलेक्सिस मैक एलिस्टर (लिवरपूल), एंज़ो फर्नांडीज (चेल्सी), जियोवानी लो सेल्सो (रियल बेटिस), निकोलस पाज़ (कोमो), एक्सक्विएल पलासियोस (बायर लीवरकुसेन), रोड्रिगो डी पॉल (एटलेटिको मैड्रिड), वैलेन्टिन कार्बोनी (ओलंपिक मार्सिले), थियागो अल्माडा (बोटाफोगो)।

अश्विन ने की विराट और जडेजा की बराबरी

कानपुर (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी स्पिनर आर अश्विन ने 10-10 बार प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड जीतने के मामले में विराट कोहली और रवींद्र जडेजा की बराबरी कर ली है। अश्विन ने बांग्लादेश के खिलाफ हुए दूसरे टेस्ट में अपने टेस्ट करियर का 10वां प्लेयर ऑफ द मैच और 11वां 11 प्लेयर ऑफ द सीरीज अवॉर्ड जीता

टेस्ट मैचों में भारतीय क्रिकेटरों में सबसे अधिक प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के नाम हैं। सचिन ने 14 बार यह अवॉर्ड जीता है। वहीं इस सूची में दूसरे नंबर पर भारत के ही राहुल द्रविड़ हैं। द्रविड़ को 11 बार प्लेयर ऑफ द मैच पुरस्कार मिला है। अब न्यूजीलैंड के खिलाफ इसी माह होने वाली 3 मैचों की टेस्ट सीरीज में विराट , अश्विन या जडेजा के पास द्रविड़ के 11 प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड की बराबरी का अवसर है। अश्विन और जडेजा इस रेस में कोहली से थोड़ा आगे नजर आते हैं। इसका कारण है कि घरेलू सीरीज में स्पिनरों को लाभ होता है।

जडेजा ने अबतक 74 मैच में 10 बार प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड जीते हैं। अश्विन को इसके लिए 102 मैच खेलने पड़े हैं। कोहली को 115 टेस्ट के करियर में 10 बार यह अवॉर्ड मिला है। जडेजा औसतन हर 7वें मैच में यह अवॉर्ड जीत रहे हैं, जबकि अश्विन और कोहली को इसके लिए औसतन 10 मैच खेलने पड़े हैं।

महिला टी20 विश्व कप : पहली बार किसी आईसीसी टूर्नामेंट में हो रहा स्मार्ट रिप्ले सिस्टम का इस्तेमाल

दुबई (ईएमएस)। आईपीएल 2024 और द हंड्रेड के बाद अब महिला टी20 विश्व कप 2024 में इस बार स्मार्ट रिप्ले सिस्टम का प्रयोग किया जा रहा है। ये पहली बार है जब किसी आईसीसी टूर्नामेंट में आईसीसी स्मार्ट रिप्ले सिस्टम का प्रयोग कर रही है। इसके तहत हर मैच में कवरेज के लिए कम से कम 28 कैमरे रहेंगे। इससे बेहतर प्ररिणाम मिलने की उम्मीदें हैं। सभी मैचों में डिसीज़न रिव्यू सिस्टम (डीआरएस) भी उपलब्ध होगा, इसमें हॉक-आई स्मार्ट रिप्ले सिस्टम का प्रयोग होता है। इससे टीवी अंपायर को विभिन्न कोणों से एकसाथ आने वाले फुटेज़ की तुरंत समीक्षा कर सटीक फैसला देने में सहायता मिलेगी।

वहीं स्मार्ट रिप्ले सिस्टम के तहत टीवी अंपायर को सीधे दो हॉक-आई ऑपरेटरों से जानकारी मिलेगी, जो अंपायर के साथ एक ही कमरे में बैठेंगे और उन्हें मैदान में लगे हॉक-आई के आठ हाई-स्पीड कैमरों से ली गयीं तस्वीरों को दिखाएंगे। अब तक टीवी प्रसारण निदेशक, तीसरे अंपायर और हॉक-आई ऑपरेटरों के बीच मध्यस्थ का काम करते थे पर अब इसकी जरुरत नहीं रहेगी। यह सिस्टम टीवी अंपायर को पहले से अधिक दृश्य देखने की सुविधा भी देता है, जिसमें स्प्लिट-स्क्रीन भी शामिल हैं। स्मार्ट रिप्ले सिस्टम के तहत स्टंपिंग रेफरल के मामले में भी टीवी अंपायर हॉक-आई ऑपरेटरों से स्प्लिट-स्क्रीन (दो भागों मं बंटी हुई स्क्रीन) के विजुअल मांग सकते हैं जिससे अंपायर ले लिए फैसला लेना आसान रहेगा।

भारत में होगा खो-खो विश्व कप का आयोजन : केकेएफआई

नई दिल्ली (ईएमएस)। 2025 में होने वाला पहला खो-खो विश्व कप भारत में आयोजित किया जाएगा। इसकी घोषणा खो-खो फेडरेशन ऑफ इंडिया (केकेएफआई) और इंटरनेशनल खो-खो फेडरेशन (आईकेकेएफ) ने की है। इस विश्वकप में 6 24 देश भाग लेंगे। इसमें 16-16 पुरुष और महिला टीमें भाग लेंगी। विश्व कप से पहले, केकेएफआई ने खेल को बढ़ावा देने के लिए 10 शहरों के 200 शीर्ष स्कूलों में इसको लेकर जानकारी देने की योजना बनायी है। महासंघ स्कूली छात्रों के लिए सदस्यता अभियान भी चलाएगा, जिसका लक्ष्य मेगा टूर्नामेंट से पहले कम से कम 50 लाख खिलाड़ियों को पंजीकृत करना है।
केकेएफआई के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल ने कहा, हम पहले खो-खो विश्व कप की मेजबानी करने के लिए बेहद उत्साहित हैं। यह टूर्नामेंट सिर्फ प्रतिस्पर्धा के बारे में नहीं है। यह देशों को एक साथ लाने, सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देने और खो-खो की खूबसूरती और तेजी को दुनिया के सामने पेश करने के बारे में है।

पश्चिम एशिया में ईरान और इजराइल के बीच बढ़ रहे तनाव से दुनियाभर के बाजार में दिखी चिंता...

मुंबई (ईएमएस)। पश्चिम एशिया में ईरान और इजराइल के बीच बढ़ रहा तनाव दुनियाभर के बाजार के लिए चिंता का कारण है। इन्हीं चिंताओं को देखते हुए निवेशक बाजार में नई खरीदारी से बच रहे हैं। भारत के घरेलू शेयर बाजार में गुरुवार को तेज बिकवाली दिखी। इस दौरान सेंसेक्स और निफ्टी लगभग दो फीसदी से ज्यादा टूट गए। बाजार में यह गिरावट पश्चिम एशिया में तनाव के बाद निवेशकों की ओर से सतर्कता बरतने के कारण आया। घरेलू शेयर बाजार को गुरुवार का दिन रास नहीं आया। वायदा कारोबार की एक्सपायरी के दिन सेंसेक्स और निफ्टी दो-दो फीसदी तक फिसल गए। साल की चौथी बड़ी गिरावट देखने को मिली है। सेंसेक्स 1,769 अंक (2.10 प्रतिशत) की गिरावट के साथ 82,497 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी में भी 546 अंक (2.12 प्रतिशत) की गिरावट रही, ये 25,250 के स्तर पर बंद हुआ। इस कारण निवेशकों को 10.7 लाख करोड़ रुपए का लगा चूना लगा।

गुरूवार को ऑटो, एनर्जी, फाइनेंस और बैंकिंग शेयर्स में ज्यादा गिरावट रही। बीपीसीएल, श्रीराम फाइनेंस और एलएंडटी के शेयर्स में 4 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट देखने को मिली। ये निफ्टी के टॉप लूजर रहे। वहीं जेएसडब्ल्यू स्टील का शेयर 1.33 प्रतिशत की तेजी के साथ निफ्टी टॉप गेनर रहा।

बीएसई पर सूचीबद्ध सभी कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 5.63 लाख करोड़ रुपये घटकर 469.23 लाख करोड़ रुपये रह गया। इस सप्ताह की शुरुआत में ईरान की ओर से इस्राइल पर बैलिस्टिक मिसाइल दागे जाने के बाद पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने की आशंका बढ़ गई है। अगर यह संघर्ष तेज हुआ तो इस क्षेत्र से तेल की आपूर्ति बाधित हो सकती है। गुरुवार को कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी दिखी। तेल की कीमतों में बढ़ोतरी भारत जैसे कमोडिटी के आयातक देशों के लिए नकारात्मक है, क्योंकि देश के आयात बिल में कच्चे तेल का महत्वपूर्ण योगदान होता है।

शेयरबाजार में शेयरों की बात करें तो रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, एमएंडएम, एलएंडटी और भारती एयरटेल के शेयर इंडेक्स के फिसलने के लिए सबसे अधिक जिम्मेदार रहे। वहीं, जेएसडब्ल्यू स्टील और टाटा स्टील ही ऐसे शेयर थे जो बढ़त के साथ खुले। मध्य पूर्व में बढ़ते संघर्ष को लेकर चिंताओं के कारण निफ्टी ऑयल एंड गैस इंडेक्स में शुरुआती कारोबार में 1.2 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई। इंडेक्स में हिंदुस्तान पेट्रोलियम, आईओसी और जीएसपीएल सबसे अधिक पिछड़े रहे। इस बीच, इंडिया वीआईएक्स 8.9 प्रतिशत उछलकर 13.06 पर पहुंच गया।

ईरान और इजराइल के बीच युद्ध की आशंका के कारण ग्लोबल मार्केट में निगेटिव सेंटिमेंट है। इसी का असर भारतीय शेयर बाजार पर भी देखने को मिला है। भारतीय शेयर बाजार के मौजूदा वैल्यूएशन बढ़े हुए हैं। खासकर मिड और स्मॉल-कैप सेगमेंट में। बाजार में इस कारण अच्छा-खासा करेक्शन दिख सकता है। अमेरिका में मंदी की आशंका बढ़ गई है, जिसके कारण पिछले कारोबारी दिन अमेरिकी बाजार में गिरावट रही। इसका असर दुनियाभर के बाजारों में दिख रहा है। पश्चिम एशिया में बढ़े तनाव का असर कच्चे तेल की कीमतों पर पडऩे लगा है। ब्रेंट क्रूड 75 डॉलर प्रति डॉलर के भाव को पार कर गया है। बेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएड क्रूड भी 72 डॉलर पर पहुंच गया। दोनों ही सूचकांक में पिछले तीन दिनों में पांच प्रतिशत से अधिक की गिरवट आई। इसका बाजार पर नकारात्मक असर पड़ा, क्योंकि भारत एक तेल आयातक देश है और आयात बिल में कच्चे तेल का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

सेबी ने हाल ही में अपनी बोर्ड की बैठक में वायदा कारोबार के नियमों में बदलाव की मंजूरी दी है। बाजार नियामक सेबी की ओर से वायदा व विकल्प (एफएंडओ) सेगमेंट में नियमों को सख्त करने के हाल के फैसले ने भी आज इक्विटी बाजारों में गिरावट में योगदान दिया। विश्लेषकों के अनुसार ये नए उपाय, जिनमें साप्ताहिक समाप्ति को हर एक्सचेंज पर एक दिन करना और अनुबंध आकार बढ़ाना शामिल है, रिटेलर्स को निराश कर सकते हैं। इससे ट्रेडिंग में कमी आ सकती है। व्यापार की गतिशीलता के बारे में इस अनिश्चितता ने निवेशकों की चिंता बढ़ा दी। जिससे व्यापक भू-राजनीतिक तनावों के बीच बाजार में गिरावट का दबाव बढ़ गया।

चीन के शेयर बाजार में मजबूती से भी भारतीय निवेशक चिंता में हैं। हाल के वर्षों में चीन के शेयर बाजार ने खराब प्रदर्शन किया है। पिछले सप्ताह चीनी सरकार द्वारा आर्थिक प्रोत्साहन उपायों की घोषणा के बाद, विश्लेषकों ने चीनी शेयरों में निरंतर वृद्धि की भविष्यवाणी की है। जिससे भारत से पूंजी के बाहर भेजे जाने को बढ़ावा मिल रहा है। एसएसई कंपोजिट इंडेक्स मंगलवार को 8 प्रतिशत बढ़ा और पिछले सप्ताह में 15 प्रतिशत से अधिक बढ़ा। नतीजतन, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने पिछले दो कारोबारी सत्रों में भारतीय इक्विटी से 15,370 करोड़ रुपये निकाले।

कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव की चिंताओं के बीच घरेलू शेयर बाजारों में नकारात्मक धारणा बनी, इससे रुपये में भी गिरावट आई। गुरुवार को शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 11 पैसे टूटकर 83.93 पर आ गया। मुद्रा व्यापारियों के अनुसार पूंजी बाजारों से विदेशी निवेश के लगातार बाहर जाने और अमेरिकी मुद्रा के मजबूत होने से भारतीय मुद्रा पर दबाव पड़ा।

आपूर्ति में रुकावटः पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष ने भारतीय निर्यातकों की बढ़ाई चिंता

नई दिल्ली (ईएमएस)। पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष ने भारतीय निर्यातकों की चिंता बढ़ा दी है। निर्यातकों को आशंका है कि यदि तनाव बढ़ता है, तो इससे ढुलाई की लागत में वृद्धि हो सकती है और आपूर्ति श्रृंखला में रुकावट आ सकती है। इसके अलावा इन निर्यातकों की चिंता अमेरिका के प्रमुख बंदरगाहों पर श्रमिकों की हड़ताल भी है। इस हड़ताल के कारण अमेरिका के पूर्वी तट और मेक्सिको की खाड़ी के 36 प्रमुख बंदरगाह ठप हो गए हैं, जिससे लगभग 55 फीसदी कंटेनर प्रभावित होंगे। मूडीज के विश्लेषकों ने रिपोर्ट में कहा है कि भारत, इंडोनेशिया और दक्षिण कोरिया इन बंदरगाहों पर अत्यधिक निर्भर हैं, जबकि हॉन्ग कॉन्ग, सिंगापुर और मलेशिया पर इसका उतना प्रभाव नहीं पड़ेगा। भारतीय निर्यातकों के संगठन फियो के महानिदेशक अजय सहाय ने कहा कि भले ही तत्काल कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं दिख रहा है, लेकिन संघर्ष की वृद्धि से कच्चे तेल की कीमतों में तेजी आने लगी है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि ईरान पर और कड़े अमेरिकी प्रतिबंध लगाए गए, तो यह तेल के बाजार में एक प्रमुख खिलाड़ी को बाहर कर सकता है, जिससे कीमतें बढ़ सकती हैं और क्षेत्रीय अस्थिरता बढ़ेगी।ओमान और ईरान के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य के माध्यम से माल की आवाजाही में संभावित बाधाओं से शिपिंग लागत भी प्रभावित हो सकती है। सहाय ने बताया कि ईरान के मिसाइल हमलों के कारण हवाई मार्गों में भी परेशानी आ सकती है, जिससे आपूर्ति श्रृंखला में बाधा और निवेशक धारणा पर असर पड़ सकता है। भारतीय इंजीनियरिंग निर्यात संवर्धन परिषद (ईईपीसी) के चेयरमैन अरुण कुमार गारोड़िया ने कहा कि पश्चिम एशिया में लगातार संघर्ष स्थिति को गंभीर बना रहा है। उन्होंने उम्मीद जताई कि स्थिति और नहीं बिगड़ेगी, लेकिन अगर यह युद्ध में तब्दील होती है, तो व्यापार में बाधा आ सकती है।

ईरान के राष्ट्रपति पेजेशकियान हमले के बाद क्यों पहुंच गए कतर

दोहा (ईएमएस)। इजराइल पर हमले के फौरन बाद ही ईरान के राष्ट्रपति पेजेशकियान दोहा पहुंचे हैं। यहां उन्होंने हमास नेताओं से मुलाकात की है। ये हमास के वे नेता हैं जो कतर में शरण ले रखी है। कतर पहुंचे ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान ने इजराइल को चेतावनी दी, कि अब यदि इजराइल हमला करने की कोई छोटी सी भी भूल की तो हमारी सेना उसे करारा जवाब देने के लिए तैयार है। यहां बताते चलें कि इजराइल और ईरान के बीच जारी तनाव जारी है और ऐसे में ईरान के राष्ट्रपति पेजेशकियान अपनी 2 दिन की यात्रा पर कतर पहुंचे हैं। सूत्रों की मानें तो वो यहां पर 19वें एशियन कोऑपरेशन डायलॉग समिट में हिस्सा लेने पहुंचे हैं। वैसे उनकी इस यात्रा को इजराइल के हमले से जोड़कर देखा जा रहा है और कहा जा रहा है कि ईरान इस वक्त मौजूदा स्थिति को देखते हुए कतर का साथ चाह रहा है। यहां चूंकि हमास के अनेक नेता भी मौजूद हैं, ऐसे में एक रणनीति साझा की जा सकती है, जो आगे चलकर जमीनी हकीकत में तब्दील होती दिखाई देगी। इसलिए, उनके इस दौरे का अहम माना जा रहा है। ईरान के हमले के बाद इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू घोषणा कर चुके हैं कि वो ईरान से बदला लेंगे। इससे मिडिल ईस्ट समेत पूरी दुनियां में हलचल मची हुई है और तृतीय विश्वयुद्ध की आहट इसे बताया जा रहा है।

ईरान के यूं तो कतर से बेहतर संबंध है, लेकिन दूसरी तरफ अमेरिका के हजारों सैनिक कतर के सबसे बड़े सैन्य बेस अल-उदेद एयरबेस पर ही तैनात हैं। ऐसे में ईरान को हमेशा ही यह डर रहता है कि कहीं इन सैनिकों के द्वारा अमेरिका उस पर हमला न कर दे। यह एक बड़ी वजह भी ईरान के राष्ट्रपति पेजेशकियान को कतर यात्रा पर मजबूर करती दिख रही है। देखने वाली बात यह होगी कि इस यात्रा का कतर और अमेरिका पर क्या असर पड़ता है, जिस पर इजराइल की अगली कार्रवाई तय होगी।

लीजेंड्स लीग : गप्टिल की शतकीय पारी से साउथर्न सुपर स्टार्स जीती

मुम्बई (ईएमएस)। पूर्व क्रिकेटरों की लीजेंड्स लीग 2024 में न्यूजीलैंड के पूर्व सलामी बल्लेबाज मार्टिन गप्टिल ने तूफानी शतक लगाया है। गप्टिल ने साउथर्न सुपर स्टार्स की ओर से खेलते हुए कोणार्क सूर्यास ओडिशा के गेंदबाजों की जमकर पिटाई की। गप्टिल ने अपनी इस पारी में 54 गेंदों पर 9 चौकों और 11 छक्को की सहायता से 131 रन बनाये। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 242.59 का था। गप्टिल ने अपनी इस आक्रामक पारी के दौरान एक ओवर में 5 छक्के और 1 चौका लगाकर कुल 34 रन भी बनाये। इरफान पठान की कप्तानी में कोणार्क सूर्यास ओडिशा ने इस मैच में रिचर्ड लेवी के 63 रनों की सहायता से पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 9 विकेट के नुकसान पर 192 रन बनाये। वहीं साउथर्न सुपर स्टार्स ने यह लक्ष्य केवल 16 ओवर में 2 विकेट पर हासिल कर लिया। साउथर्न सुपर स्टार्स की टीम ने एलएलसी 2024 में पांचवीं जीत दर्ज करते हुए अंक तालिका में नंबर एक स्थान बनाये रखा है।

इजरायली सेना ने हिज्बुल्लाह के ठिकानों पर किए हमले......60 हिज्बुल्लाह लड़ाके मारे गए

तेलअवीव (ईएमएस)। इजरायली सेना (आईडीएफ) द्वारा हिज्बुल्लाह के ठिकानों पर हमले जारी हैं, इसमें 200 से अधिक ठिकानों पर बमबारी की गई है। आईडीएफ का दावा है कि अभियान में करीब 60 हिज्बुल्लाह लड़ाके मारे गए हैं। बिंट जेबिल के टाउन हॉल में छिपे 15 हिज्बुल्लाह लड़ाकों को इजरायली हमले में मारने का दावा किया गया है, जहां टाउन हॉल को हथियारों के भंडारण के लिए इस्तेमाल किया जा रहा था।

इजरायली सेना ने ड्रोन हमलों के माध्यम से हिज्बुल्लाह के लड़ाकों पर भी आक्रमण किया है, जिसमें एक इलाके में गोलियां चलाने वाले दो लड़ाकों को निशाना बनाया गया। आईडीएफ ने कहा है कि हाल के हवाई हमलों में हिज्बुल्लाह की कई इमारतों, हथियार डिपो, चेकपोस्ट और अन्य बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया गया है।

बात दें कि यह चौथी बार है, जब इजरायली सेना लेबनान की भूमि पर उतरी है, आखिरी बार 2006 में 34 दिनों तक चलने वाले युद्ध के बाद। लेकिन इस बार इजरायली सेना सीमित जमीनी ऑपरेशन कह रही है, जिसमें वायुसेना भी सक्रिय रूप से शामिल है। इजराइल का कहना है कि वह लंबे समय तक लेबनान पर कब्जा नहीं करेगा, लेकिन स्थिति बेहद गंभीर है और शहरी युद्ध की स्थितियों में संघर्ष जारी है।

एक ही दिन में 15 कंपनियों ने सेबी के पास जमा किए दस्तावेज

नई ?दिल्ली (ईएमएस)। वैश्विक उतार-चढ़ाव के बावजूद भारत के प्राथमिक बाजार में आईपीओ की लहर जारी है। बड़ी संख्या में कंपनियों के लिस्ट होने के साथ-साथ अभी भी कई कंपनियां कतार में हैं। इसी कड़ी में सितंबर के आखिरी दिन 15 कंपनियों ने भारतीय प्रतिभूति विनिमय बोर्ड के पास आईपीओ लाने के लिए ड्राफ्ट पेपर जमा किए, जिनमें विक्रम सोलर, आदित्य इंफोटेक और वरिंडेरा कंस्ट्रक्शंस जैसी प्रमुख कंपनियां शामिल हैं। इन कंपनियों ने कुल मिलाकर 8,000 करोड़ रुपये से अधिक के आईपीओ की योजना बनाई है। बीते महीने में 41 कंपनियों ने आईपीओ के लिए ड्राफ्ट पेपर जमा किए, जो किसी एक महीने में सेबी के पास जमा होने वाला सबसे बड़ा आंकड़ा है। इसमें अलग-अलग सेक्टर की कंपनियां शामिल हैं, जो नए शेयरों के साथ-साथ ऑफर फॉर सेल इश्यू भी पेश कर रही हैं। वैश्विक उतार-चढ़ाव के बीच भारत के आईपीओ बाजार में तेजी जारी है। सोमवार को विक्रम सोलर, आदित्य इन्फोटेक, वरिंदरा कंस्ट्रक्शन सहित अजाक्स इंजीनियरिंग, राही इंफ्राटेक, विक्रम इंजीनियरिंग, मिडवेस्ट, विनी कॉरपोरेशन, संभव स्टील ट्यूब्स, जारो इंस्टीटयूट ऑफ टेक्नोलॉजी मैनेजमेंट एंड रिसर्च, ऑल टाइम प्लास्टिक्स, स्कोडा ट्यूब्स और डेव एक्सेलेरेटर ने भारतीय प्रतिभूति विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास अपने आईपीओ का ड्राफ्ट दाखिल किया। ये कंपनियां विस्तार की योजना, कर्ज चुकाने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों और मौजूदा शेयरहोल्डर्स के शेयर बेचने के लिए आईपीओ ला रही हैं। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि 30 सितंबर को 31 मार्च तक के ऑडिटेड फाइनेंशियल्स की अवधि समाप्त होने से पहले बड़ी संख्या में कंपनियों ने ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस जमा किए हैं। सितंबर में सूचीबद्ध 47 कंपनियों में से 61 प्रतिशत से अधिक अपने इश्यू प्राइस से ऊपर कारोबार कर रही हैं, जिसमें ट्रैवल्स एंड रेंटल्स का एसएमई आईपीओ 283 फीसदी की बढ़त के साथ सबसे आगे है। इसके बाद प्रीमियर एनर्जीज 146 फीसदी और नमो ईवेस्ट मैनेजमेंट 127फीसदी की बढ़त के साथ क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं। आईपीओ में खुदरा निवेशकों की उत्साही भागीदारी ने विशेष रूप से एसएमई सेगमेंट में सदस्यता स्तर को अप्रत्याशित ऊंचाइयों पर पहुंचा दिया है, जहां खुदरा श्रेणी में पूरी तरह से सब्सक्राइब न होने वाला एसएमई आईपीओ खोजना अब दुर्लभ हो गया है।

पाकिस्तान में पोलियो के दो मामले सामने आए, उन्मूलन प्रयासों को झटका

करांची,(ईएमएस)। पाकिस्तान के सिंध प्रांत में पोलियो के दो नए मामलों की पुष्टि होने से देश में अब इनकी संख्या 26 हो गई है। ये नए मामले कराची पूर्व और सुजावल जिलों में सामने आए हैं, जिससे पोलियो वायरस के उन्मूलन के प्रयासों को झटका लगा है।

मीडिया रिपोर्ट में एक बयान में कहा कि कराची पूर्व और सुजावल से यह पहला मामला सामने आया है, जहां हाल के महीनों में पर्यावरणीय नमूनों में पोलियो वायरस की मौजूदगी दिखी है। यह संकेत करता है कि पोलियो वायरस समुदायों में फैल रहा है और बच्चों के स्वास्थ्य के लिए एक गंभीर खतरा पैदा कर रहा है। पाकिस्तान के पीएम की विशेष प्रतिनिधि ने इन नए मामलों को बच्चों के लिए चिंताजनक बताया और जोर दिया कि बच्चों को एक ऐसी बीमारी से खतरा है, जिससे आसानी से बचा जा सकता है। उन्होंने अभिभावकों, सामुदायिक नेताओं और शिक्षकों से अपील की कि वे सभी बच्चों का टीकाकरण कराने के लिए तत्परता से कदम उठाएं। पोलियो वायरस के खिलाफ निरंतर टीकाकरण और जागरूकता के प्रयासों की जरुरत है, ताकि बच्चों को इस भयानक बीमारी से बचाया जा सके।

रिजवान बन सकते हैं पाकिस्तान की एकदिवसीय और टी20 टीम के कप्तान

लाहौर (ईएमएस)। बाबर आजम के इस्तीफे के बाद अब पाकिस्तान की एकदिवसीय और टी20 टीम की कप्तानी विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान को मिल सकती है। पाक टीम को भविष्य में कई टी20 और एकदिवसीय मुकाबले खेलने हैं। ऐसे में उन्हें एक अच्छे कप्तान कीतलाश है।एक रिपोर्ट के अनुसार रिजवान टीम की कमान संभाल सकते हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रिजवान अच्छी बल्लेबाजी करते हैं और टीम के सभी खिलाड़ियों से उनका तालमेल भी अच्छा है। ऐसे में वह बेहतर विकल्प साबित हो सकते हैं। पिछली बार तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी को कप्तानी मिली थी पर वह विफल रहे थे।

रिजवान ने अपने एकदिवसीय करियर में अब तक 74 मैच खेले हैं और इस दौरान उन्होंने 40 की औसत से 2,088 रन बनाए हैं। जिसमें 180 चौके और 21 छक्के शामिल हैं। वहीं, उन्होंने टी20 करियर में अब तक 102 मैच खेले हैं और 49 की औसत से 3,313 रन बनाए हैं। उन्होंने एकदिवसीय में 3, टी20 में 1 और टेस्ट में उन्होंने 3 शतक लगाए हैं। पाक बोर्ड (पीसीबी) ने अभी तक किसे कप्तान बनाया जाएगा। इसको लेकर कोई संकेते नहीं दिये हैं।

मिस्त्र ने इजराइल को चेताया, मध्य पूर्व में छिड़ सकता है क्षेत्रीय युद्ध

काहिरा,(ईएमएस)। मिस्त्र के पीएम मुस्तफा मदबौली ने इजराइल की एकतरफा कार्रवाइयों पर चेतावनी जारी की है, जिसमें उन्होंने कहा कि इससे मध्य पूर्व में व्यापक क्षेत्रीय युद्ध छिड़ सकता है। उन्होंने मंगलवार को हुई घटनाओं को खतरनाक बताते हुए अंतरराष्ट्रीय समुदाय और प्रभावशाली शक्तियों से इसमें तत्काल हस्तक्षेप करने की मांग की है। उन्होंने क्षेत्रीय सुरक्षा और स्थिरता बनाए रखने के लिए युद्ध विराम की अपील की है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पीएम मुस्तफा ने विशेष रूप से लेबनान में इजराइल की आक्रामकता की आलोचना की और लेबनान की संप्रभुता को कमजोर करने के किसी भी प्रयास को खारिज किया है। मिस्त्र की कैबिनेट ने भी गाजा पट्टी और लेबनान में युद्ध विराम की अपील करते हुए इसे तनाव कम करने का एक अहम कदम बताया है। बता दें मंगलवार को ईरान ने इजराइल पर बड़ा मिसाइल हमला किया था। इसके जवाब में, इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा था कि ईरान को इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी। इजराइल ने हाल ही में लेबनान में हिजबुल्लाह के खिलाफ जमीनी सैन्य अभियान शुरू किया है। इस कार्रवाई के तहत इजराइल ने लेबनान में हवाई हमलों को भी तेज कर दिया है जिससे पूरे मध्य पूर्व में तनाव बढ़ रहा है।

दक्षिण अफ्रीका ने आयरलैंड को दूसरे एकदिवसीय में भी हराया

जोहांसबर्ग (ईएमएस)। दक्षिण अफ्रीका ने आयरलैंड को दूसरे एकदिवसीय क्रिकेट मैच में हराकर तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की बढ़त हासिल कर ली है। इस मैच में दक्षिण अफ्रीकी टीम ने 139 रनों से जीत हासिल की। इस मैच में दक्षिण अफ्रीकी टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए शुरुआत में ही 39 रनों पर तीन विकेट खो दिए। इसके बाद रेयान रिकल्टन और ट्रिस्टन स्टब्स ने अफ्रीकी टीम को संभाला।

नये बल्लेबाज रेयान रिकल्टन ने 102 गेंदों में ही 91 रन बना दिये। वहीं ट्रिस्टन स्टब्स ने भी 79 रनों की पारी खेली। इन दोनों ने चौथे विकेट के लिए 152 रन बनाकर अपनी टीम को बेहतर हालातों में पहुंचाया। वहीं ब्योर्न फोटर्यून ने 28 और लुंगी एंगिडी ने 20 रन बनाये। इस प्रकार दक्षिण अफ्रीकी टीम ने 9 विकेट पर 271 रन बनाए। जीत के लिए मिले 272 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए आयरलैंड की टीम 31.2 ओवरों में 132 रन ही बना पायी। दक्षिण अफ्रीका की ओर से लिजाड विलियम्स ने सबसे अधिक 4 विकेट जबकि ब्योर्न फोटर्यून और लुंगी एंगिडी ने दो-दो विकेट लेकर अपनी टीम की जीत में अहम योगदान दिया।

ईरान से इजराइल का तनाव, 18,000 भारतीय नागरिकों की चिंता

तेलअवीव (ईएमएस)। ईरान ने इजरायल पर बैलिस्टिक मिसाइलों की बौछार की, इससे तनाव की स्थिति और भी गंभीर हो गई है। इजरायल की ओर से ईरान को इसके लिए गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी देने के बाद, दुनिया सहम गई है। इस बीच, इजरायल में रह रहे करीब 18,000 भारतीय नागरिकों की सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। इसमें से अधिकांश बुजुर्गों की देखभाल, हीरा व्यापार, आईटी पेशेवर और छात्र हैं।

इजरायल में डॉक्टरी की पढ़ाई कर रहे छात्र ने बताया कि स्थिति दिन-प्रतिदिन बिगड़ती जा रही है। उन्होंने बताया कि हाल ही में एक बम उनके दोस्त के घर के करीब गिरा, जिससे उनकी चिंता और बढ़ गई है। यह स्थिति पिछले साल 7 अक्टूबर से हमास के खिलाफ इजरायल के युद्ध से कहीं अधिक गंभीर है। मैं भी उस दिन अपने दोस्त के घर में हो सकता था।

इजरायल के अधिकारियों ने भारतीय नागरिकों सहित अन्य लोगों को नजदीकी बम आश्रयों में जाने का आदेश दिया है। एक अन्य भारतीय ने कहा कि कई लोग इजरायल में अच्छी सैलरी की उम्मीद में आए थे, लेकिन अब वे यहां सुरक्षित महसूस नहीं कर रहे हैं।

भारतीय दूतावास ने अपने नागरिकों को सतर्क रहने और स्थानीय अधिकारियों के निर्देशानुसार सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करने की सलाह दी है। दूतावास ने बयान में कहा, कृपया सावधानी बरतें। अनावश्यक यात्रा से बचें और सुरक्षित आश्रयों के पास रहें। हम स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहे हैं और अपने सभी नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए नियमित रूप से इजरायली अधिकारियों के संपर्क में हैं।

इस घटनाक्रम ने इजरायल में रह रहे भारतीय नागरिकों के लिए गंभीर चिंताओं को जन्म दिया है। उन्हें स्थिति के प्रति सतर्क रहने और सुरक्षा उपायों का पालन करने के लिए कहा गया है।

ब्रोकर को पैसा दिए बगैर शेयर खरीद-बेच पाएंगे निवेशक

नई दिल्ली (ईएमएस)। शेयर बाजार में निवेश करने वाले ग्राहकों के लिए 1 फरवरी से एक बड़ा बदलाव होने जा रहा है। पात्र शेयर ब्रोकरों को अपने ग्राहकों को शेयर खरीदने और बेचने के लिए यूपीआई आधारित ब्लॉक व्यवस्था का विकल्प देना होगा या फिर तीन सुविधाओं वाले कारोबारी खाते का प्रस्ताव देना होगा। यह कदम निवेशकों को अधिक सुरक्षा और पारदर्शिता प्रदान करेगा। यूपीआई आधारित ब्लॉक व्यवस्था के तहत निवेशक को पहले से अपने ब्रोकर को पैसा भेजने की जरूरत नहीं होगी। वह अपने बैंक खाते में धनराशि को ब्लॉक कर सकता है औरउसीराशिके आधार पर शेयर बाजार में ट्रेडिंग कर सकता है। इससे उसकी राशि सुरक्षित रहती है और कोई दुरुपयोग नहीं होता। यह प्रक्रिया एएसबीए की तरह काम करेगी, जिसे पहले आईपीओ के लिए उपयोग किया जाता था। दूसरे विकल्प के तहत ग्राहकों को एक ऐसा खाता मिलेगा जिसमें तीन सुविधाएंजुड़ीहोंगी-बचत खाता, डीमैट खाता और कारोबारी खाता। इस खाते में निवेशकों की धनराशि उनके बैंक खाते में सुरक्षित रहेगी और उस पर ब्याज भी मिलेगा। सेबी ने पहले आईपीओ जैसे सार्वजनिक निर्गमों के लिए ब्लॉक व्यवस्था शुरू की थी, जिसमें निवेशकों का पैसा उनके बैंक खाते में ही ब्लॉक कर दिया जाता है। अब इसे शेयर खरीदने और बेचने के लिए भी लागू किया जा रहा है, जिससे निवेशकों को अधिक सुविधाएं मिलेंगी। यह कदम निवेशकों के लिए बड़ा बदलाव साबित हो सकता है, खासकर उन लोगों के लिए जो शेयर बाजार में सुरक्षित और सुविधाजनक तरीके से निवेश करना चाहते हैं।

सितंबर में 47 कंपनियों ने आईपीओ से जुटाए 16152 करोड़

नई दिल्ली (ईएमएस)। निवेशकों के जबरदस्त उत्साह के चलते सितंबर में आईपीओ से 47 कंपनियों ने 16,152 करोड़ रुपये जुटाए हैं। इसमें से 13 मुख्य प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध हुई हैं। एक्सचेंजों के आंकड़ों के मुताबिक, 13 प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम यानी आईपीओ में बजाज हाउसिंग ने सर्वाधिक 6,560 करोड़ व प्रीमियर एनर्जीज ने 2,830 करोड़ जुटाए। 34 कंपनियां छोटी एवं मझोली यानी एसएमई थीं। 47 कंपनियों में से 61 फीसदी के शेयर इश्यू भाव से ऊपर कारोबार कर रहे हैं। ट्रैवल्स एंड रेंटल्स का एसएमई आईपीओ 283 फीसदी लाभ के साथ सबसे आगे है।

मैक्सिको सीमा पर सैनिकों की गोलीबारी में छह प्रवासियों की मौत, कई घायल

ग्वाटेमाला,(ईएमएस)। मैक्सिको की सीमा के पास एक ट्रक पर सैनिकों की गोलीबारी में छह प्रवासियों की मौत हो गई। बताया जा रहा है जब ट्रक हुइक्सटला शहर के पास तैनात सैनिकों के पास पहुंचा। मीडिया रिपोर्ट में गुआटेमाला के रक्षा विभाग के एक बयान के मुताबिक सैनिकों ने ट्रक और दो अन्य वाहनों के पास गोलियों की आवाज सुनी। जब वे ट्रक के पास पहुंचे, तो उन्होंने चार प्रवासियों को मृत पाया और 12 अन्य घायल थे। बाद में घायलों में से दो प्रवासियों की मौत हो गई। ट्रक में कुल 33 प्रवासी सवार थे, जिनमें से ज्यादातर मिस्त्र, नेपाल, क्यूबा, भारत, पाकिस्तान के थे।

गौरतलब है कि चियापास क्षेत्र में अक्सर प्रवासियों की तस्करी होती है, जहां उन्हें मालवाहक ट्रकों में भरकर ले जाया जाता है।

यह मामला प्रवासी संकट को लेकर एक बार फिर से गंभीर सवाल उठ रहे है, जिसमें तस्करों और अधिकारियों के बीच की जटिलता और प्रवासियों की सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित किया गया है। यह घटना ग्वाटेमाला और मैक्सिको के बीच की सीमा पर प्रवासियों की सुरक्षा और मानवाधिकारों के उल्लंघन के मुद्दे को उजागर करती है। स्थानीय और अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने इस घटना की निंदा की है और प्रवासियों के लिए सुरक्षित और मानवीय यात्रा सुनिश्चित करने की मांग की है। अधिकारियों ने घटना की जांच शुरू कर दी है।

अमेरिका रिपोर्ट में भारत को चिंता वाले देशों में शामिल करने का आह्वान

वॉशिंगटन,(ईएमएस)। अमेरिका की बाइडन सरकार के एक आयोग ने भारत में धार्मिक स्वतंत्रता की स्थिति को लेकर एक रिपोर्ट जारी की है। इस रिपोर्ट में भारत को विशेष चिंता वाले देशों में नामित करने का आह्वान किया गया है। यह रिपोर्ट अमेरिका के वरिष्ठ नीति विश्लेषक ने तैयारी की है, जिसमें धार्मिक अल्पसंख्यकों और उनके पूजा स्थलों के खिलाफ हिंसक हमलों को उकसाने के लिए गलत सूचना के इस्तेमाल का वर्णन किया गया है।

रिपोर्ट में मुस्लिम, वक्फ संशोधन बिल, और गोहत्या विरोधी कानून का उल्लेख किया गया है। अंतर्राष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता के लिए अमेरिकी आयोग ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट में कहा है कि भारत को विशेष चिंता वाले देश के रूप में नामित किया जाना चाहिए, क्योंकि धार्मिक स्वतंत्रता के गंभीर उल्लंघनों में भारत शामिल है। उन्होंने कहा कि इस रिपोर्ट में पूरे 2024 में निगरानी समूहों द्वारा धार्मिक नेताओं की हत्या, उन्हें पीट-पीटकर मारने और पूजा स्थलों के ध्वस्त होने की घटनाओं का उल्लेख किया गया है, जो धार्मिक स्वतंत्रता का गंभीर उल्लंघन है।

रिपोर्ट ने यह भी बताया कि भारत ने अतीत में अमेरिकी आयोग के सदस्यों को वीजा देने से इनकार किया है, यह कहते हुए कि यह उनके आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप है।

अमेरिकी आयोग दुनिया के कई देशों पर रिपोर्ट पेश करता है। भारत और कई भारतीय-अमेरिकी समूहों ने आरोप लगाया है कि अमेरिकी आयोग की रिपोर्ट पक्षपातपूर्ण, अवैज्ञानिक है। रिपोर्ट में भारत के कानूनी ढांचे में बदलाव का भी उल्लेख किया गया है, जिसमें नागरिकता संशोधन अधिनियम, यूनिफॉर्म सिविल कोड, धर्मांतरण, और गोहत्या विरोधी कानून शामिल हैं।

दवाइयों, इंश्योरेंस और ट्रैक्टरों पर जीएसटी दर कम कर सकती है सरकार

नई दिल्ली (ईएमएस)। जीएसटी दरों को युक्तिसंगत बनाने के लिए बनी मंत्री स्तरीय समिति आम आदमी को बड़ी राहत दे सकती है। समिति कई दवाइयों, इंश्योरेंस और ट्रैक्टरों पर जीएसटी दर को कम करके 5 फीसदी तक कम करने पर विचार कर रही है।

वर्तमान में ट्रैक्टरों पर 12 फीसदी या 28 फीसदी जीएसटी लगता है, जो उनके वर्गीकरण पर निर्भर करता है। ट्रैक्टरों से होने वाले कम राजस्व की भरपाई महंगे इलेक्ट्रिक वाहनों पर जीएसटी दर बढ़ाकर की जा सकती है। हेल्थ और टर्म इंश्योरेंस पर जीएसटी दर में कटौती होने की भी संभावना है।

स्वास्थ्य बीमा पर 18 फीसदी से घटाकर 12 फीसदी तक जीएसटी किया जा सकता है, जबकि टर्म इंश्योरेंस पर 5 फीसदी जीएसटी लगने की उम्मीद है। हालांकि, टर्म इंश्योरेंस पर जीएसटी शून्य करने की मांग कई दिनों से उठ रही है, लेकिन इससे बीमा कंपनियों को इनपुट टैक्स क्रेडिट का नुकसान हो सकता है. ऐसे में टर्म इंश्योरेंस पर 5 फीसदी जीएसटी का प्रस्ताव सबसे उपयुक्त माना जा रहा है। एक खबर के अनुसार मंत्री स्तरीय समिति जीएसटी की चार दरों को तीन में बदलने के पक्ष में नहीं है, लेकिन 12 फीसदी की दर वाली वस्तुओं की संख्या घटाने पर विचार हो रहा है। कुछ वस्तुओं को 5 फीसदी के स्लैब में डाला जा सकता है, जबकि कुछ अन्य वस्तुएं 18 फीसदी के स्लैब में स्थानांतरित की जा सकती हैं। समिति इस महीने के अंत तक अपनी सिफारिशें स्पष्ट करेगी। 19 अक्टूबर को बीमा पर चर्चा के लिए बैठक होगी और 20 अक्टूबर को दर युक्तिकरण पर वस्तु-विशेष पर चर्चा की जाएगी।

जुलाई-सितंबर में शीर्ष आठ शहरों में आवासीय बिक्री बढी

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत में मजबूत आवासीय मांग से आठ प्रमुख शहरों में जुलाई-सितंबर में मकानों की बिक्री सालाना आधार पर पांच प्रतिशत बढ़कर 87,108 इकाई हो गयी। एक रिपोर्ट में यह बात सामने आई। रियल एस्टेट के एक सलाहकार ने गुरुवार को एक वेबिनार के जरिये 2024 कैलेंडर वर्ष की तीसरी तिमाही के लिए अपनी रिपोर्ट इंडिया रियल एस्टेट जारी की। इसमें एनारॉक और प्रॉपइक्विटी द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के विपरीत आवासीय बिक्री में मामूली वृद्धि की बात कही गई। एनारॉक और प्रॉपइक्विटी की रिपोर्ट में देश के प्रमुख शहरों में जुलाई-सितंबर में कुल बिक्री में गिरावट की बात सामने आई थी। रिपोर्ट में कहा गया ?कि आवासीय बाजार में 2024 में गति अच्छी रही। 2024 की तीसरी तिमाही में इस साल की सर्वाधिक 87,108 इकाइयों की बिक्री दर्ज की गई है।

दूसरे विश्व युद्ध का बम जापान के हवाई अड्डे पर फटा,80 उड़ानें रद्द

टोक्यो(ईएमएस)। दूसरे विश्वयुद्ध के दौरान फेंका गया बम उस समय तो नहीं फटा लेकिन बीते रोज अचानक जापान के हवाई अडडे पर फट गया।यह बम इस एयरपोर्ट में दफन था, लेकिन बुधवार को उसमें विस्फोट हो गया, जिससे हड़कंप मच गया। ब्लास्ट से 'टैक्सीवे में बड़ा गड्ढा हो गया और 80 से अधिक उड़ानें रद्द करनी पड़ीं।

हालांकि किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। जापानी अधिकारियों ने यह जानकारी दी। भूमि एवं परिवहन मंत्रालय के अधिकारियों ने बताया कि दक्षिण-पश्चिमी जापान के मियाज़ाकी हवाई अड्डे पर जब बम विस्फोट हुआ, तब वहां कोई विमान नहीं था।अधिकारियों ने बताया कि आत्मरक्षा बलों और पुलिस द्वारा की गई जांच से पुष्टि हुई है कि विस्फोट 500 पाउंड के अमेरिकी बम से हुआ था और अब कोई खतरा नहीं है। वे यह पता लगा रहे हैं कि अचानक विस्फोट किस वजह से हुआ। पास के एक एविएशन स्कूल द्वारा रिकॉर्ड किए गए वीडियो में विस्फोट से डामर के टुकड़े हवा में फव्वारे की तरह उछलते हुए दिखाई दिए।जापानी टेलीविज़न पर प्रसारित वीडियो में 'टैक्सीवे में एक गहरा गड्ढा दिखाई दिया। मुख्य कैबिनेट सचिव योशिमासा हयाशी ने कहा कि हवाई अड्डे पर 80 से अधिक उड़ानें रद्द कर दी गई हैं तथा उम्मीद है कि बृहस्पतिवार सुबह तक परिचालन फिर से शुरू हो जाएगा।

इजरायल पर ईरानी हमले में जॉर्डन ने निभाई अहम भूमिका- कई मिसाइलें गिराई

अम्मान,(ईएमएस)। इजरायल पर ईरानी मिसाइल हमले में जॉर्डन ने अहम भूमिका निभाई। जॉर्डन ने 180 मिसाइलों में से एक दर्जन से ज्यादा को अपने ही हवाई क्षेत्र में रोक दिया। जॉर्डन के सार्वजनिक सुरक्षा निदेशालय ने इसकी पुष्टि की कि उनकी वायु रक्षा प्रणाली ने इजरायल को निशाना बनाने वाली ईरानी मिसाइलों और ड्रोन को सफलतापूर्वक मार गिराया।

इस कदम ने जॉर्डन सरकार और सेना को जनता के गुस्से का सामना करना पड़ रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अम्मान के बाहरी इलाके में सड़क पर गिरी एक ईरानी मिसाइल का दृश्य दिखाया गया है। जॉर्डन अधिकारियों ने कहा कि यह कदम देश की आत्मरक्षा और संप्रभुता की रक्षा के लिए जरुरी था। जॉर्डन के एक मंत्री ने साफ किया कि देश किसी भी संघर्ष में शामिल नहीं होना चाहता है, लेकिन जॉर्डन के नागरिकों की सुरक्षा के लिए सभी जरुरी कदम उठाए जाएंगे। इसके बावजूद जॉर्डन के नागरिक इस रुख को लेकर असहमत हैं और कई लोगों का मानना है कि सरकार इजरायल की मदद करके गलत दिशा में जा रही है।

जॉर्डन की डेमोक्रेटिक यूनिटी पार्टी के सदस्य ने नाराजगी जताई, उन्होंने कहा कि ईरानी मिसाइलों को मार गिराना फिलिस्तीन और लेबनान में प्रतिरोध के समर्थन की भावना के खिलाफ है। जॉर्डन में फिलिस्तीनी शरणार्थियों की बड़ी संख्या है और गाजा में हाल के हमलों के चलते इजरायल के खिलाफ लोगों में नाराजगी बढ़ी है। जॉर्डन सरकार के इस कदम ने वहां के लोगों के बीच असंतोष पैदा हो गया है और नागरिकों में यह चिंता गहराने लगी है कि उनकी सरकार इजरायल के साथ मिलकर एक विवाद में शामिल हो रही है।

दाहोद बच्ची से रेप-हत्याकांड मामला, आरोपी प्रिंसिपल के खिलाफ1700 पेज की चार्जशीट दाखिल

दाहोद,4 अक्टूबर

दाहोद स्कूल प्रिंसिपल ने की 6 साल के छात्र की हत्याः दाहोद जिले के सिगवाड तालुका के तोरनी प्राइमरी स्कूल के कक्षा-1 के मासूम छात्र के हत्यारे 56 वर्षीय प्रिंसिपल गोविंद नट के खिलाफ काफी विरोध हो रहा है। इस हत्यारे प्रिंसिपल के लिए मौत की सजा की मांग की जा रही है. इस बीच राज्य के गृह मंत्री हर्ष सांघवी ने इस मामले पर प्रतिक्रिया दी है. उन्होंने कहा, 'दाहोद कोर्ट में 1700 पेज की चार्जशीट पेश की गई है.'

दाहोद में शिक्षा जगत को शर्मसार करने वाली घटना को लेकर राज्य के गृह मंत्री हर्ष सांघवी ने कहा कि इस मामले में 300 लोगों की टीम ने काम किया है. चार्जशीट में 65 अलग-अलग रिपोर्ट लगाई गई हैं. यह आरोप पत्र 1700 पन्नों का है।' इस चार्जशीट में डिजिटल एविडेंस, फॉरेंसिक डीएनए एनालिसिस, फॉरेंसिक बायोलॉजिकल एनालिसिस को शामिल किया गया है. एपिथेलियल कोशिकाएं त्वचा और शरीर के आंतरिक भागों में पाई जाने वाली कोशिकाएं हैं, जो बहुत कम मात्रा में पाई जा सकती हैं। जब किसी अपराध के दौरान ऐसी कोशिकाएं पाई जाती हैं, तो डीएनए परीक्षण से संदिग्ध के अपराध में शामिल होने की पुष्टि हो जाती है यदि संदिग्ध का डीएनए इन कोशिकाओं से मेल खाता है। यह तकनीक शारीरिक संपर्क से प्राप्त सूक्ष्म सबूतों का उपयोग करके संदिग्धों की पहचान करने और अपराध को अपराध साबित करने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

इस मामले में फोरेंसिक साइकोलॉजिकल ड्रोन क्राइम सीन प्रोफाइलिंग और फोरेंसिक स्टेटमेंट एनालिसिस भी किया गया है। जिसके तहत सड़क का वीडियो बनाकर दिखाया जाएगा कि यह घटना कैसे हुई. उसी वर्ष छात्रा ने दाहोद जिले के पिपलिया गांव के पास स्थित टोयानी प्राइमरी स्कूल में कक्षा-1 में प्रवेश लिया। तय कार्यक्रम के मुताबिक 19 सितंबर (गुरुवार) को सुबह 10 बजे छात्रा स्कूल के लिए निकली. लेकिन स्कूल का समय खत्म होने के बावजूद वह घर नहीं लौटी. तो परिजन चिंतित हो गए और तलाश शुरू कर दी।

छात्र के परिजन खोजबीन करने तोयानी प्राइमरी स्कूल पहुंचे, लेकिन स्कूल के मुख्य गेट पर ताला लगा था, इसलिए वे दीवार फांदकर अंदर घुस गये. जहां जांच के दौरान छात्र का शव स्कूल में मिला. बेटी का शव देखकर परिवार के पैरों तले जमीन खिसक गई और परिवार सदमे में आ गया. फिर परिजन छात्रा को लेकर अस्पताल पहुंचे, लेकिन डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

घटना की जानकारी मिलने के बाद दाहोद पुलिस की टीम समेत पुलिस का काफिला मौके पर पहुंचा. पुलिस ने आकस्मिक मौत की शिकायत दर्ज की और जांच चल रही है। पुलिस की जांच में यह बात सामने आई कि छात्र की हत्या स्कूल के प्रिंसिपल ने ही की थी. इस मामले में पुलिस ने जांच के लिए 10 टीमें बनाईं. जांच के दौरान पुलिस ने शिक्षकों के भी बयान लिये. पुलिस ने प्रिंसिपल के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और आगे की कार्रवाई कर रही है. मामले पर प्रतिक्रिया दी है. उन्होंने कहा, 'दाहोद कोर्ट में 1700 पेज की चार्जशीट पेश की गई है.'

राज्य में1,903 स्टाफ नर्सों की होगी सीधी भर्ती

वड़ोदरा,3 अक्टूबर

स्टाफ नर्स की भर्तीः राज्य के विभिन्न अस्पतालों में स्टाफ नर्स की भर्ती की घोषणा की गई है। जिसमें राज्य सरकार ने 1903 कर्मचारियों की भर्ती करने का निर्णय लिया है. इन स्टाफ नर्सों की भर्ती राज्य के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों और सरकारी अस्पतालों में सीधी भर्ती के माध्यम से की जाएगी। इन पदों के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 5 अक्टूबर के बाद शुरू होगी. फॉर्म भरने के लिए योग्य उम्मीदवारों को **OJAS** प्लेटफॉर्म के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन करना होगा।

योग्य उम्मीदवारों के लिए एक प्रतियोगी परीक्षा आयोजित की जाएगी। इस परीक्षा का परिणाम एवं चयन सूची प्रकाशित की जायेगी एवं दस्तावेजों का सत्यापन किया जायेगा। दस्तावेज़ सत्यापन के अंत में अंतिम मेरिट सूची प्रकाशित की जाएगी। अंतिम मेरिट सूची में शामिल उम्मीदवारों की नियुक्ति पूरी तरह से पारदर्शी प्रक्रिया के माध्यम से की जाएगी। यह पूरी भर्ती प्रक्रिया 6 से 8 महीने में पूरी की जानी है.

प्रदेश में 10 साल पहले कर्मचारी वर्ग-3 के कुल 7785 पद स्वीकृत किये गये थे। आवश्यकतानुसार समय-समय पर स्वीकृत पदों में वृद्धि की गयी है। फिलहाल राज्य के विभिन्न स्वास्थ्य केंद्रों और अस्पतालों में कुल 12,101 पद स्वीकृत हैं. राज्य में पिछले 10 वर्षों में स्टाफ नर्स वर्ग-छ्छ के कुल 7732 पद सीधी भर्ती से भरे गये हैं। स्टाफ नर्सों की पदोन्नति/सेवानिवृत्ति सहित विभिन्न कारणों से रिक्त पदों को भरने के लिए हर दो साल में भर्ती प्रक्रिया आयोजित की जाती है।

जीपीएससी : 3 परीक्षाएँ दोहराने वाले अभ्यर्थियों के पद होंगे रिक्त, नए अभ्यर्थी साक्षात्कार से वंचित

वड़ोदरा,3 अक्टूबर

गुजरात लोक सेवा आयोग (जीपीएससी) जो टाइम टेबल और कैलेंडर के अनुसार चलता था अब आलसी हो गया है। इस आलस्य के परिणामस्वरूप अभ्यर्थियों का भविष्य एक ही प्रकार की परीक्षा में लटक जाता है। जीपीएससी ने विज्ञापन संख्या 47/2022-23 की मुख्य परीक्षा 20 से 25 अक्टूबर तक आयोजित की, जिसमें 10,000 से अधिक उम्मीदवार परीक्षा देंगे। लेकिन वर्तमान स्थिति को देखते हुए विज्ञापन संख्या 47/2022-23 की प्रारंभिक परीक्षा मापदंडों पर पुनर्विचार और विज्ञापन संख्या 30/2021-22 का अंतिम परिणाम को लेकर गुजरात उच्च न्यायालय में दायर याचिका अभी तक नहीं आई है. इसके बाद क्लास-1/2 सिविल सेवा परीक्षा यानी विज्ञापन संख्या 20/2022-23 की मुख्य परीक्षा का परिणाम भी अभी तक घोषित नहीं किया गया है।

इसके साथ ही जीपीएससी द्वारा कुल तीन कक्षा-1/2 सिविल सेवा परीक्षाएं आयोजित की जाती हैं। एक साथ होने वाली तीन परीक्षाओं में से विज्ञापन संख्या 30/2021-22 में उत्तीर्ण होने वाले अभ्यर्थियों का विज्ञापन संख्या 20/2022-23 में साक्षात्कार में भी चयन होने की संभावना है। इसके अलावा, विज्ञापन संख्या 30/2021-22 और 20/2022-23 के अभ्यर्थियों को विज्ञापन संख्या 47/2022-23 की मुख्य परीक्षा और अंतिम परिणाम में दोहराया जाएगा।

चूंकि उपरोक्त विज्ञापनों में प्रतीक्षा सूची का कोई प्रावधान नहीं है, इसलिए इस बात की प्रबल संभावना है कि तीनों विज्ञापनों में एक ही छात्र को दोहराया जाएगा, अंततः सीटें खाली रह जाएंगी और मुख्य परीक्षा में शामिल होने वाले नए अभ्यर्थी भी वंचित हो सकते हैं। साक्षात्कार का. जीपीएससी हर साल केवल एक सिविल सेवा परीक्षा आयोजित करता है। जिसमें परीक्षा का अंतिम परिणाम घोषित होने के बाद ही अन्य सिविल सेवा परीक्षाओं की मुख्य परीक्षा आयोजित की जाती है।

पहले जीपीएससी पहली परीक्षा का अंतिम परिणाम घोषित करने के बाद ही अन्य सिविल सेवा परीक्षाओं की मुख्य परीक्षा भी आयोजित करता था। ऐसे में विज्ञापन संख्या 40/2018-19 की प्रारंभिक परीक्षा विज्ञापन संख्या 121/2016-17 के अंतिम परिणाम घोषित होने के बाद आयोजित की गई थी. अंतिम परिणाम के बाद ही विज्ञापन संख्या 26/2020-21 आयोजित किया गया। ऐसा करने से किसी भी परीक्षा में एक ही अभ्यर्थी को दोहराने की संभावना नहीं रहती।

अतः सभी बातों को ध्यान में रखते हुए क्रमांक 47/2022-23 की कार्यवाही को तब तक आगे न बढ़ाया जाए जब तक कि पिछली परीक्षाएं पूर्ण घोषित न हो जाएं, ताकि अभ्यर्थियों का हित भी सुरक्षित रहे और सरकारी संसाधनों एवं समय की भी बचत हो सके .

20 हजार रुपये के कर्ज की वसूली में बरनपुरा घोटालाः छह घायल, आमने-सामने की शिकायत

वड़ोदरा,3 अक्टूबर

वड़ोदरा क्राइमः वडोदरा के बरनपुरा विट्ठलवाड़ी में रहने वाले मजदूर विजय रमेशभाई ने चुनारा वाडी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है और कहा है कि कल रात 9:00 बजे मैं अपनी पत्नी को लेने के लिए घर से पैदल निकला था। सागर चुनारा और सन्नी चुनारा धवल मेडिकल स्टोर गीतामंदिर के पास खड़े थे सागर चुनारा ने मुझसे कहा कि मैंने तुम्हें सात माह पहले 20 हजार उधार दिए थे तुम मुझे कब लौटाओगे। मैंने उससे कहा कि अभी बिजनेस ठीक नहीं चल रहा है, जब बिजनेस अच्छा चलेगा तो मैं तुम्हें तुम्हारे पैसे वापस दे दूंगा। सागर बहुत उत्तेजित हो गया और मुझसे लड़ने लगा.

उसके बाद मैं वहां से अपने घर लौट आया. कुछ मिनट बाद सागर चुनारा, मयूर चुनारा और राज चुनारा मेरे घर के बाहर चिल्ला रहे थे। उन्होंने मेरे घर की ओर पेवर ब्लॉक फेंक दिए। सागर ने लोहे के पाइप से मेरे सिर पर वार किया, जबकि मेरा भाई मुझे बचाने की कोशिश कर रहा था, सागर और अन्य हमलावरों ने मुझ पर पेवर ब्लॉक के ढीले पत्थरों से हमला किया और मैं भी घायल हो गया। लोगों के एकत्र होने पर हमलावर भाग गए। दूसरे पक्ष से सागर चुनारा ने विजय व सुनील तथा अनिकेत व देव के खिलाफ मारपीट की शिकायत दर्ज करायी है. वाडी पुलिस ने दोनों पक्षों के खिलाफ शिकायत दर्ज कर ली है और आगे की जांच कर रही है।

विधायक पुत्र गणेश गोंडल को सशर्त जमानत

गोंडलः,3अक्टूबर,

जूनागढ़सेएक युवक का अपहरण कर हथियार दिखाने के मामले में गणेश गोंडल हाईकोर्ट ने बड़ी राहत दी है. हाई कोर्ट ने गणेश गोंडल को जूनागढ़ में प्रवेशपररोक लगाते हुए सशर्त जमानत दे दी है. विधायक पुत्र गणेश गोंडल 4 महीने बाद जेल से बाहर आएंगे. यहां बता दें कि इससे पहले जूनागढ़ जिला कोर्ट ने जमानतअर्जी खारिज कर दी थी.

22 साल पहले जिस तरह हुई थी पिता की हत्या, बेटे ने उसी तरह लिया बदला

वड़ोदरा,3 अक्टूबर

बोदकदेव एक्सीडेंट केसः अहमदाबादशहरकेबोदकदेव में ज्ञानबाग पार्टीप्लॉट के पास दो दिन पहलेएकहादसाहुआथा.जिसमें ड्राइवरने साइकिल चला रहे तखतसिंह नाम केव्यक्ति को टक्कर मार दी जिससे उसकी मौत हो गई.पहली नजर मेंयह एक सामान्य हादसा लग रहा था. लेकिन, जबपुलिस ने एक्सीडेंट करने वाले आरोपी गोपाल सिंह से पूछताछ की तो चौंकाने वाले खुलासे हुए. पूछताछ में सामने आया कि मृतक तखतसिंहने22साल पहले गोपालसिंह के पिता की भी इसी तरह जीप से टक्कर मारकर हत्याकर दी थी। अतः बदला लेने के लिए तखतसिंह को उसी प्रकार मौतकीसजा दी गई। ऐसे में पुलिसअधिकारी सन्न रह गए। पुलिस पूरे मामलेकीआगेकीजांच मेंजुट गई है.

पूरी घटना का विवरण इस प्रकार है कि मंगलवार सुबह 10 बजे 50 वर्षीय तखतसिंह अर्जुन सिंह भाटी (निवासी टाइटेनियम स्केवर टॉवर, थलतेज) अपनी साइकिल पर काम करने जा रहे थे, तभी साइकिल चालक ने उन्हें टक्कर मार दी। बोदकदेव ज्ञानबाग पार्टी प्लॉट के पास सड़क के किनारे से एक बोलेरो जीप टकराई और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद भाग रहे जीप चालक गोपालसिंह भाटी को स्थानीय लोगों ने पकड़ लिया। इस संबंध में एन डिवीजन ट्रैफिक पुलिस ने मामला दर्ज कर कार्रवाई की. जिसमें प्राथमिक तौर पर सड़क दुर्घटना मानकर कार्रवाई की जा रही थी।

हालांकि, आरोपी ड्राइवर का उपनाम भाटी था और वह राजस्थान का रहने वाला था। जबकि मृतक भी राजस्थान का मूल निवासी था। तो पुलिस इंस्पेक्टर एस.ए. गोहिल को शक हो गया और जब उसने गोपाल सिंह से पूछताछ की तो उसने चौंकाने वाला खुलासा किया कि उसने गलती से नहीं बल्कि तखत सिंह को मारने के लिए गाड़ी से टक्कर मारी थी।

गोपाल सिंह ने आगे स्वीकार किया कि 22 साल पहले, तखत सिंह ने राजस्थान के जैसलमेर में अपने बड़ौदा गांव में एक वाहन से टक्कर मारकर गोपाल सिंह के पिता हरिसिंह भाटी की हत्या कर दी थी। उस समय हरिसिंह भाटी साइकिल से जाया करते थे। इसलिए उसने फैसला किया कि वह अपने पिता की हत्या का बदला इसी तरह लेगा और वह अक्सर मौके की तलाश में अहमदाबाद आता था। पिछले मंगलवार की सुबह उसने हत्या करने के लिए ज्ञानबाग पार्टी की साजिश का रास्ता चुना क्योंकि वहां कोई खास आवाजाही नहीं होती. इस प्रकार जब तखतसिंह साइकिल लेकर जा रहा था तो उसने उसकी हत्या करके बदला लिया। इस पूरी घटना को जानकर पुलिस अधिकारी भी हैरान रह गए. इस संबंध में पुलिस ने आरोपियों से आगे की पूछताछ शुरू कर दी है. एन डिवीजन पुलिस स्टेशन के पीआई एसए ने पूरा मामला सुलझाया. गोहिल ने कहा कि आमतौर पर सड़क दुर्घटना के मामलों में गिरफ्तार आरोपी थोड़े डरे हुए होते हैं. लेकिन, गोपाल सिंह का अंकित मूल्य सामान्य था. वहीं, वह राजस्थान से अहमदाबाद किस काम से आये थे? इस बारे में वह कोई स्पष्ट स्पष्टीकरण नहीं दे सके. इतना ही नहीं, मृतक और दुर्घटना को अंजाम देने वाले आरोपी का उपनाम और गृहनगर भी एक ही था। तो शक और भी मजबूत हो गया. जिसके आधार पर उन्होंने घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी देखे तो वह तखतसिंह के इंतजार में जीप लेकर खड़ेनजर आए। इस प्रकार यह स्पष्ट हो गया कि गोपाल सिंह ने ही हत्या की साजिशरचीथी,जिससे पूरा अपराध सुलझ गया। सड़क दुर्घटना मामले में तख्तसिंह की हत्या के बाद पुलिस ने आरोपी को बोडकदेव पुलिस को सौंपने के प्रयास शुरू कर दिए हैं। साथ ही पुलिस ने 22 साल पहले राजस्थान के जैसलमेर जिले में दर्ज एक मामलेकी जानकारी मांगी है.

आजादी के बाद पहली बार गारवो गिरनार को 24 घंटे जलाया जाएगा

जूनागढ़,3 अक्टूबर

गिरनार में बिजली आपूर्ति प्रदान की गईः जूनागढ़ गिरनार पहाड़ी पर बिजली प्रवाह की क्षमता बढ़ाने और भूमिगत बिजली लाइन को परिवर्तित करने का काम जो पिछले पांच महीनों से चल रहा था, पूरा हो गया है। जिसका शुभारंभ प्रदेश के ऊर्जा मंत्री ने किया है। तो अब गिरनार पर्वत पर 24 घंटे बिजली की आपूर्ति होगी.

गिरनार पर्वत पर अंबाजी माता के मंदिर को बिजली प्रदान करने के लिए एक भूमिगत बिजली लाइन बिछाई गई है। नवरात्रि के पहले दिन मां अंबाना धाम में बिजली पहुंचने से गारो गिरनार 24 घंटे रोशन रहेगा.

मानसून और सर्दी के मौसम में भारी बारिश और हवाएं गिरनार पर्वत पर चलने वाली ओवरहेड लाइनों को नुकसान पहुंचाती थीं। इसके साथ ही पीजीवीसीएल कर्मचारियों को भी इसकी मरम्मत में काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। जबकि वन क्षेत्रों में ओवरहेड लाइनों से दुर्घटनाओं के डर के कारण भूमिगत लाइनें बिछाने का विकल्प सबसे महत्वपूर्ण विकल्प था। पिछले पांच माह से भूमिगत लाइन से बिजली पहुंचाने का काम चल रहा था। वहीं आजादी के बाद पहली बार गिरनार पर्वत पर भूमिगत बिजली आपूर्ति लाइन बिछाई गई है।

जूनागढ़ गिरनार पर्वत पर अक्सर किसी न किसी कारण से बिजली गुल हो जाती थी। जिसके कारण अंबाजी के मंदिर में आरती और दर्शन अंधेरे में करने पड़े. ऐसे में भक्तों को भी सुबह जल्दी और देर शाम मंदिर जाने में काफी दिक्कत हुई। इसे लेकर मंदिर महंतों ने गिरनार पर्वत पर बिजली आपूर्ति शुरू करने की मांग की है. भक्तों को राहत है कि आखिरकार माताजी की नवली नवरात्रि के पहले दिन मांग पूरी हो गई।

पश्चिम रेलवे विशेष किराये पर दो फेस्टिवल स्पेशल ट्रेनें उधना -बरौनी तथा अहमदाबाद - बरौनी चलायेगी

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी विनीत अभिषेक द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार इन स्पेशल ट्रेनों का विवरण निम्नानुसार हैः

1. ट्रेन संख्या 09067/09068 उधना-बरौनी साप्ताहिक स्पेशल [16 फेरे प्रत्येक गुरुवार को उधना से 05.30 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 22.15 बजे बरौनी पहुँचेगी। यह ट्रेन 10 अक्टूबर, 2024 से 28 नवंबर, 2024 तक चलेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 09068 बरौनी-उधना स्पेशल प्रत्येक शुक्रवार को बरौनी से 23.45 बजे प्रस्थान करेगी और रविवार को 14.30 बजे उधना पहुँचेगी। यह ट्रेन 11 अक्टूबर, 2024 से 29 नवंबर, 2024 तक चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में सूरत, भरूच, वडोदरा, रतलाम, नागदा, उज्जैन, मक्सी, शाजापुर, ब्यावरा राजगढ़, रुठियाई, गुना, शिवपुरी, ग्वालियर, सोनी, भिंड, इटावा, गोविंदपुरी, फतेहपुर, प्रयागराज, ज्ञानपुर रोड, बनारस, वाराणसी, गाजीपुर सिटी, बलिया, छपरा, सोनपुर, हाजीपुर, मुजफ्फरपुर और समस्तीपुर स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी 2 टियर, एसी 3- टियर, स्लीपर क्लास और द्वितीय श्रेणी के सामान्य कोच होंगे।

2. ट्रेन संख्या 09413/09414 अहमदाबाद-बरौनी साप्ताहिक स्पेशल ड12 फेरे.

ट्रेन संख्या 09413 अहमदाबाद-बरौनी स्पेशल प्रत्येक मंगलवार को अहमदाबाद से 16.35 बजे प्रस्थान करेगी और गुरुवार को 04.00 बजे बरौनी पहुँचेगी। यह ट्रेन 8 अक्टूबर, 2024 से 12 नवंबर, 2024 तक चलेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 09414 बरौनी-अहमदाबाद स्पेशल प्रत्येक गुरुवार को बरौनी से 06.00 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 23.15 बजे अहमदाबाद पहुँचेगी। यह ट्रेन 10 अक्टूबर, 2024 से 14 नवंबर, 2024 तक चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में आणंद, वडोदरा, सूरत, उधना, नंदुरबार, जलगांव, भुसावल, खंडवा, इटारसी, जबलपुर, कटनी, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, पं. दीन दयाल उपाध्याय, बक्सर, आरा, दानापुर, पाटलिपुत्र, सोनपुर और हाजीपुर स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी 2 टियर, एसी 3- टियर, स्लीपर क्लास और द्वितीय श्रेणी के सामान्य कोच होंगे।

ट्रेन संख्या 09067 एवं 09413 की बुकिंग 05/10/2024 से सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के समय, ठहराव और संरचना के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www. enquiry. iåianrail.gov.in http://www. enquiry. iåianrail.gov.in/ पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल ने भारतीय युवाओं में दिल की बीमारियों के बढ़ते मामलेः तुरंत कार्रवाई की ज़रूरत के बारे में जागरूकता फैलाने की मुहिम के साथ विश्व हृदय दिवस मनाया

मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल ने विश्व हृदय दिवस के उपलक्ष्य में युवाओं में दिल के दौरे के बढ़ते मामलों के बारे में जागरूकता फैलाने की मुहिम शुरू की। बीते दौर में ऐसा माना जाता था कि दिल का दौरा मुख्य रूप से बुजुर्गों को होने वाली बीमारी है, लेकिन आज भारत के युवाओं में भी इसके मामले सामने आना बड़ी आम बात हो गई है और यह बेहद चिंताजनक है। पिछले एक दशक में, देश भर के अस्पतालों में 20 से 30 साल की उम्र की युवाओं में दिल की बीमारियों तथा दिल के दौरे के मामलों में तेजी से वृद्धि देखी गई है। यह चिंताजनक प्रवृत्ति सिर्फ भारत तक ही सीमित नहीं है; पूरी दुनिया में दक्षिण एशियाई लोग दिल की बीमारियों से सबसे ज़्यादा पीड़ित हैं। रिसर्च के नतीजे बताते हैं कि, दुनिया भर में दिल की बीमारियों से पीड़ित 50-60इ मरीज भारतीय मूल के हैं। डॉ. अनीश चंदराणा, इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट, मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल ने युवाओं को प्रभावित करने वाले कारकों के साथ-साथ उन्हें अपनी अच्छी सेहत को बरकरार करने के लिए उठाए जाने वाले ज़रूरी कदमों के बारे में विस्तार से बताया।

डॉ. अनीश चंदराणा, इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट, कहते हैं, ठइस समस्या को बढ़ाने में शारीरिक व्यायाम की कमी, अनियमित नींद, लंबे समय तक काम करना और लगातार तनाव की अहम भूमिका होती है। इसके अलावा, डिजिटल उपकरणों और सोशल मीडिया के बहुत अधिक उपयोग ने लोगों की मानसिक सेहत से जुड़ी समस्याओं को बढ़ाया है, जिसका सीधा असर दिल की सेहत पर पड़ता है। हाल ही में एक चिंताजनक वाली बात यह सामने आई है कि युवाओं में शारीरिक व्यायाम के दौरान दिल के दौरे के मामलों में बढ़ोतरी हुई है। अपनी सेहत की परवाह करने वाले बहुत से युवा, जो बिना तैयारी के और उचित स्वास्थ्य जांच के बिना बेहद कठिन वर्कआउट पर जोर देते हैं, उनमें से कई युवाओं को दिल उसकी गंभीर बीमारियों के साथ अस्पताल के आपातकालीन कक्षों में भर्ती होना पड़ा है। इससे यह बात जाहिर होती है कि, अपनी शारीरिक सीमाओं को समझना और नया फिटनेस कार्यक्रम शुरू करने से पहले डॉक्टर की सलाह लेना बेहद कितना मायने रखता है।ठ

डॉ. अनीश चंदराणा आगे कहते हैं, ''रोकथाम के बेहद आसान उपायों के साथ अपनी सेहत की हिफाज़त की शुरुआत होती है। सदियों पुरानी कहावत है कि ठसजग इंसान हमेशा खुशहाल रहता है।ठ और दिल की बीमारियों के मामले में तो यह बात बिल्कुल सही साबित होती है। 18 साल या इससे अधिक उम्र के वयस्कों को नियमित रूप से ब्लड-प्रेशर, ब्लड-शुगर और कोलेस्ट्रॉल के स्तर की जाँच को प्राथमिकता देनी चाहिए। लाइफ़स्टाइल में संतुलन बनाना भी उतना ही ज़रूरी है, जिसमें हर तरह के खाद्य पदार्थों, फलों और सब्जियों से भरपूर आहार शामिल हो, साथ ही प्रोसेस्ड फूड का सेवन सीमित हो। इसमें हर दिन योगाभ्यास या पैदल चलने जैसी शारीरिक गतिविधियों को अपनाना भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अगर आप आगे बढ़कर इस तरह के कदम उठाते हैं, तो आप जोखिम कारकों को काफी हद तक कम कर सकते हैं और अपनी अच्छी सेहत को बनाए रख सकते हैं। गहरी नींद सोने की आदत, सोने से पहले स्क्रीन पर बहुत ज़्यादा समय बिताने से बचना, साथ ही तनाव को दूर करने के लिए ध्यान और विश्राम जैसी तकनीकों को अपनाना भी ज़रूरी है। सकारात्मक सामाजिक रिश्तों को बनाए रखना भी उतना ही महत्वपूर्ण है, जो दिल की सेहत के लिए बेहद फायदेमंद साबित हुए हैं।''

एपीआई और ग्लेनमार्क द्वारा हर महीने की 18 तारीख को राष्ट्रीय बीपी स्क्रीनिंग दिवस किया घोषित

मुंबई, 30 सितंबर, 2024 – हृदय रोग के प्रबंधन में अग्रणी, ग्लेनमार्क फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड (ग्लेनमार्क) नेआज गेटवे ऑफ इंडिया पर उच्च रक्त चाप(हाइपरटेंशन) जागरूकता अभियान, टेक चार्ज 18 की शुरुआत की। यह पहल, 18 साल की उम्र से ही रक्तचाप (ब्लड प्रेशर) की निगरानी के महत्व के बारे में जागरूकता फैलाने पर केंद्रित है।

ग्लेनमार्क फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड के अध्यक्ष और व्यवसाय प्रमुख - इंडिया फॉर्मूलेशंस, आलोक मलिक ने इस अभियान के बारे में कहा, ङ्गग्लेनमार्क में हम भारत में हाइपरटेंशन से मुकाबले के बारे में जागरूकता पैदा करने और सार्थक प्रभाव डालने के लिए दृढ़ता से प्रतिबद्ध हैं। हाइपरटेंशन के मामले, खासकर युवाओं में, चिंताजनक दर से बढ़ रहे हैं2, इसलिए हमारे लिए शुरुआत में ही रोकथाम के उपायों के साथ कदम उङ्गाना जरूरी हो गया है। यह अभियान जनता को शिक्षित करने और उन्हें अपने ब्लड प्रेशर को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने के लिए सशक्त बनाने पर केंद्रित है।

लैंक्सेस इंडिया को इंडियन केमिकल काउंसिल ने 'सर्वश्रेष्ठ नाइसर ग्लोब उपयोगकर्ता कंपनी' पुरस्कार से सम्मानित किया

स्पेशियलिटी केमिकल्स कंपनी लैंक्सेस इंडिया को इंडियन केमिकल काउंसिल (आईसीसी) ने 2023 के लिए प्रतिष्ठित 'बेस्ट नाइसर ग्लोब यूजर कंपनी अवार्ड' से सम्मानित किया है। यह पुरस्कार लैंक्सेस इंडिया की सुरक्षा और स्थिरता के प्रति उनकी उत्कृष्ट प्रतिबद्धता को मान्यता देता है, खासकर परिवहन क्षेत्र में। कंपनी ने अपने 'एम्पावर्ड ड्राइवर' पहल के माध्यम से इन प्रयासों को सफलतापूर्वक लागू किया है।यह सम्मान लैंक्सेस इंडिया को 20 सितंबर को मुंबई में आईसीसी के 59वें वार्षिक पुरस्कार समारोह के दौरान दिया गया, जिसमें केमिकल उद्योग के कई प्रमुख लीडर्स शामिल थे।लैंक्सेस इंडिया हमेशा से अपने उद्योग में सुरक्षा और स्थिरता को बढ़ावा देने में सबसे आगे रही है। कंपनी ने ठनाइसर ग्लोबठ पहल की शुरुआत की है, जो परिवहन में सुरक्षा और आपातकालीन स्थिति में बेहतर प्रतिक्रिया के लिए बनाई गई है। लैंक्सेस ने इस पहल के तहत दूसरी केमिकल कंपनियों के साथ मिलकर सुरक्षित परिवहन के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्य मानकों और सेवाओं की पेशकश की हैलैंक्सेस इंडिया की 'एम्पावर्ड ड्राइवर' पहल का उद्देश्य ड्राइवरों की सुरक्षा और स्वास्थ्य को सुधारना है। इस पहल के तहत ड्राइवरों को सलाह, प्रशिक्षण और नियमित मेडिकल जांच की सुविधा दी जाती है। ड्राइवरों के बेहतरीन प्रदर्शन के लिए उन्हें इनाम भी दिए जाते हैं, ताकि उन्हें बेहतर काम करने के लिए प्रेरित किया जा सके।

लैंक्सेस इंडिया के वाइस चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर नमितेश रॉय चौधरी ने कहा, ठहम इस पुरस्कार को पाकर बेहद सम्मानित महसूस कर रहे हैं। लैंक्सेस इंडिया में हम हमेशा अपने कर्मचारियों, समुदाय और पर्यावरण की सुरक्षा और भलाई को सबसे ज्यादा महत्व देते हैं। हमारी पहलें, जैसे 'एम्पावर्ड ड्राइवर' प्रोग्राम और नाइसर ग्लोब के साथ हमारा सहयोग, यह दिखाते हैं कि हम परिवहन में सुरक्षा को बढ़ावा देने और जिम्मेदारी एवं देखभाल की संस्कृति को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यह पुरस्कार हमें प्रेरित करता है कि हम अपने सभी कार्यों में उत्कृष्टता के लिए लगातार प्रयास करते रहें और केमिकल उद्योग के विकास में सकारात्मक योगदान देते रहें।

'दिल से काम लीजिए' की भावना के साथ आयोजित, मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल के वर्ल्ड हार्ट डे मैराथन ने दिल की अच्छी सेहत की मुहिम को प्रोत्साहन दिया

भारत में कार्डियक साइंसेज के सबसे बड़े और सबसे अनुभवी सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस में से एक के रूप में अपनी पहचान बनाने वाले,मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल ने 29 सितंबर, 2024 को विश्व हृदय दिवस के उपलक्ष्य में बड़े स्तरपर मैराथन का आयोजन किया। दिल की सेहत के बारे में जागरूकता बढ़ाने तथाअंगदानकेनेककार्यमेंसहयोगदेनेकेलिए इस कार्यक्रम का आयोजन किया गयाथा, जिसमें मैराथन की तीन श्रेणियों – यानी 5 किमी, 10 किमी और 21 किमी की मैराथन दौड़ में 2,000 से अधिक लोग बड़े उत्साह के साथ शामिल हुए। समुदाय को दिल की सेहत की परवाह करते हुए कदम उठाने के लिए प्रोत्साहित करना ही इस पहल का उद्देश्य था, ताकि सभी लोग दिल का ख्याल रखने के साझा लक्ष्य के साथ एकजुट हो सकें। इस कार्यक्रम मेंभाग लेने वाले लोगों को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते समय गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में अपना नाम दर्ज कराने वाले मैराथन धावक श्री जगत करणी के साथ-साथ सुश्री नीता देसाई, आईपीएस, ट्रैफिक, अहमदाबाद, तथा श्री नीरव बारोट, पुलिस इंस्पेक्टर, अहमदाबाद भी उपस्थित थे। उनकी मौजूदगीने इस कार्यक्रम की गरिमा को बढ़ाने के साथ-साथ दिल की सेहत के बारे में जागरूकता बढ़ाने तथा समुदाय को शारीरिक तंदुरुस्ती से जुड़ने के लिए प्रेरित करने की सभी की सामूहिक भागीदारी पर जोर दिया । मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटलने बड़े उत्साह के साथ विश्व हृदय दिवस के मौके पर आयोजित अपनी पहली मैराथन के सफल समापन की घोषणा की।

इस मौके पर प्छुलछ्छ–ढ्ढह्*लढ्ढ ट्रांसप्लांट प्रोग्राम एवं एमसीएस प्रोग्राम के डायरेक्टर, डॉ. धीरेन शाह कहते हैं, ठइस साल का विश्व हृदय दिवस, 'दिल से काम लीजिए' की थीम पर आधारित है, जिसका उद्देश्य है कि दिल की अच्छी सेहत के लिए तुरंत कदम उठाना बेहद जरूरी है, फिर चाहे ऐसा व्यायाम के ज़रिये किया जाए, नियमित जाँच के माध्यम से किया जाए या फिर लाइफस्टाइल में बदलाव के ज़रिये किया जाए। हमारी मैरिंगो सीआईएमएस मैराथन पहल भी इसी भावना को दर्शाती है, जो लोगों को अपने दिल की सेहत को प्राथमिकता देने के लिए प्रोत्साहित करती है। मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल में, हम दिल की बीमारियों का इलाज करने के साथ-साथ समुदायों को भी उनकी रोकथाम हेतु कदम उठाने के लिए प्रेरित करने के अपने संकल्प पर कायम हैं। लोगों ने आज के कार्यक्रम का जबरदस्त स्वागत किया, जिससे यह जाहिर होता है कि हम सब साथ मिलकर दिल की सेहत को सभी के लिए प्राथमिकता बना सकते हैं।

डॉ. अनीश चंदराणा, इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट, मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल, कहते हैं, ठहम इस मैराथन के साथ विश्व हृदय दिवस मना रहे हैं, इसलिए यह याद रखना बेहद ज़रूरी है कि दिल की सेहत सिर्फ़ बुजुर्ग लोगों के लिए चिंता का विषय नहीं है। हम लाइफस्टाइल में बड़ी तेजी से हो रहे बदलाव की वजह से युवाओं में दिल की बीमारियों के बढ़ते प्रभाव को साफ तौर पर देख रहे हैं। हम उम्मीद करते हैं कि, इस तरह के आयोजनों के ज़रिये हमें जागरूकता बढ़ाने और युवाओं को दिल की अच्छी सेहत से जुड़ी आदतें जल्दी अपनाने के लिए प्रोत्साहित करने में मदद मिलेगी – क्योंकि सही मायने में रोकथाम ही सबसे अच्छा इलाज है।

श्री गौरव रेखी, रीजनल डायरेक्टर-वेस्ट, मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल, कहते हैं, ठमैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल में हमारा लक्ष्य बिल्कुल सरल हैः हम लोगों को सिर्फ़ उनके दिल की सेहत को बेहतर बनाने में मदद करते हैं। आज के मैराथन को जो प्रतिक्रिया मिली है, उससे लोगों के हमारी कार्डियक टीम पर भरोसे के साथ-साथ दिल की सेहत के बारे में जागरूकता बढ़ाने की अहमियत का पता चलता है। हम दिल की बीमारियों के इलाज के लिए अत्याधुनिक सेवाएँ उपलब्ध कराने और लोगों को बेहतर लाइफस्टाइल के लिए प्रोत्साहित करने के इरादे पर अटल हैं

पश्चिम रेलवे अहमदाबाद-बरौनी के बीच त्यौहार विशेष ट्रेन चलाएगा

ट्रेन सं.	प्रारंभिक स्टेशन व गंतव्य	सेवाओं के दिन	प्रस्थान	आगमन
09413	अहमदाबाद - बरौनी (साप्ताहिक)	08.10.2024 से 12.11.2024	16:35 बजे (मंगलवार)	04:00 बजे (अगले दिन)
09414	बरौनी - अहमदाबाद (साप्ताहिक)	10.10.2024 से 14.11.2024	06:00 बजे (गुरुवार)	23:15 बजे (अगले दिन)

हाल्टः आनंद, वडोदरा, सूरत, उधना, नंदुरबार, जलगांव, भुसावल, खंडवा, इटारसी, जबलपुर, कटनी, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, पंडित दीन दयाल उपाध्याय, बक्सर, आरा, दानापुर, पाटलिपुत्र, सोनपुर और हाजीपुर स्टेशन। दोनों दिशाओं में।

संरचनाः एसी 2 - टियर, एसी 3 - टियर, स्लीपर क्लास और सामान्य द्वितीय श्रेणी कोच।

ट्रेन संख्या 09413 की बुकिंग 05.10.2024 से पीआरएस काउंटरों और IRCTC वेबसाइट पर शुरू होगी। ठहराव और संरचना के समय के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए, यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जा सकते हैं।

उपरोक्त रेलगाड़ी विशेष किराये पर विशेष रेलगाड़ी के रूप में चलेगी।

पश्चिम रेलवे
wr.indianrailways.gov.in
हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly • हमें फोलो करें : X.com/WesternRly

कृपया सभी आरक्षित टिकटों के लिए मूल पहचान पत्र साथ लाएँ

मालिक, मुद्रक-प्रकाशक व सम्पादक : लक्ष्मीचन्द जी. अग्रवाल द्वारा ब्रिजाशा ऑफसेट, सरसपुर, अहमदाबाद में मुद्रित करवाकर, स्वेतप्रित बिल्डिंग, खासवाड़ी, बहुचराजी रोड़, वड़ोदरा से प्रकाशित किया। प्रातःकालीन E-mail: janhitaishi@yahoo.co.in Mob.9375504122 R.N.I. 64278/96